शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 36 | गुवाहाटी | रविवार, 6 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संयुक्त राष्ट्र ने पास किया करेक्ट द मैप प्रस्ताव अब सही आकार में दिखेंगे भारत... पेज 2
नगांव उपचुनाव : भाजपा में शामिल होने की तैयारी कर रहे पूर्व डीसी के खिलाफ... पेज 3
बिहार में बाढ़ का कहर, 11 जिलों के 10.26 लाख लोग प्रभावित, राहत-बचाव कार्य तेज पेज 5
यूएस ओपन : सेरेना और वीनस विलियम्स की महिला युगल में वापसी... पेज 7

भारत की मुहिम को वैश्विक मान्यता

27 नवंबर को बाल विवाह के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित

नई दिल्ली (हि.स.)। बाल विवाह के खिलाफ भारत की मुहिम को वैश्विक मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को *बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस* घोषित किया है। भारत के लिए यह तारीख विशेष महत्व रखती है, क्योंकि 27 नवंबर 2024 को केंद्र सरकार ने *बाल विवाह मुक्त भारत* अभियान शुरू किया था। यह पहल जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक भुवन ऋभु की ओर से आगे बढ़ाई गई। मार्च 2026 में संयुक्त राष्ट्र में अपने संबोधन के दौरान ऋभु ने बाल विवाह के खिलाफ एक समर्पित अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित करने की मांग उठाई थी। सिएरा लियोन की प्रथम महिला डॉ. फातिमा मादा बायो ने भी इस पहल का समर्थन किया था। इसके बाद सिएरा लियोन ने भारत सहित 67 देशों के समर्थन वाला प्रस्ताव -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने किया स्वागत

गुवाहाटी (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 27 नवंबर को बाल विवाह उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने स्वागत किया है। उन्होंने इसे बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्यमंत्री शर्मा ने शनिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र का यह निर्णय बाल विवाह के उन्मूलन के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल होगी आहोम सभ्यता, भारत ने किया नामांकन

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि आहोम राजवंश की ऐतिहासिक राजधानी रंगपुर-शिवसागर को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि भारत की ओर से बीते 19 जून, 2026 को पेरिस स्थित यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल ने रंगपुर-शिवसागर एन्सेम्बल को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा देने के लिए औपचारिक रूप से नामांकन प्रस्तुत किया। यह नामांकन यूनेस्को के मानदंड (थ्री) और (फोर) के तहत किया गया है। आहोम राजवंश ने ब्रह्मपुत्र घाटी पर करीब छह शताब्दियों तक लगातार शासन किया था। रंगपुर-शिवसागर परिसर में आहोम काल की उत्कृष्ट स्थापत्य और इंजीनियरिंग विरासत मौजूद है, जिसमें रंगघर, कारेंगघर, ऐतिहासिक मंदिर, तालाब और अन्य महत्वपूर्ण संरचनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

लापरवाही अथवा आलस्य से भेद खुल जाता है।

- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

केरलम में लॉरी से टकराई कार, आठ इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

तिरुवनंतपुरम। केरलम के त्रिशूर जिले में हुआ एक भीषण सड़क हादसा तमिलनाडु के कई परिवारों के लिए कभी न भूलने वाला वज्रपात बन गया। शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर कैपासमंगलम के पास हुए इस मर्मस्पर्शी हादसे में एक कॉलेज के आठ होनहार इंजीनियरिंग छात्रों की दर्दनाक -शेष पृष्ठ दो पर

ऑपरेशन अगेंस्ट 420 : पूरे राज्य से एक दिन में 350 ठग गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम में नौ घंटे के अंदर लगभग 350 संदिग्ध धोखेबाजों, नकली पहचान वाले लोगों और बिचौलियों की शनिवार को पहचान की गई और उन्हें पकड़ा गया। पुलिस ने जबरन वसूली, नकली पहचान और धोखाधड़ी के अन्य तरीकों में शामिल नेटवर्क के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई शुरू की थी। यह ऑपरेशन सुबह 3 बजे शुरू हुआ। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उन धोखेबाजों और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था जो लोगों को धोखा देने के लिए धमकी, जबरन वसूली और गलत जानकारी का इस्तेमाल करते थे। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने प्रेस को बताया कि हमने तकनीकी विश्लेषण के जरिए डिजिटल लिंक का पता लगाया और शनिवार सुबह 3 बजे से ऑपरेशन शुरू हुआ, जिसमें अब तक लगभग 350 लोगों की पहचान की गई है और उन्हें पकड़ा गया है। इस ऑपरेशन के तहत सबसे ज़्यादा गिरफ्तारियां कछार जिले में हुई हैं। कथित तौर पर काम करने के तरीके के बारे में बताते हुए डीजीपी ने कहा कि कुछ संदिग्ध लोगों को, खासकर पुलिस स्टेशन आने वालों को रोकते थे और उन्हें प्रशासनिक या कानूनी प्रक्रियाओं में मदद करने की पेशकश करते थे। कुछ अन्य लोग फोन कॉल पर डीएसपी, वकील और इंचार्ज अधिकारी बनकर बात करते थे, जबकि कुछ पीड़ितों को उनके पुलिस केस सुलझाने का वादा करके पैसे देने के लिए उकसाते थे। सिंह ने कहा कि डिजिटल गिरफ्तारी की तरह ही, वे स्थानीय स्तर पर गिरफ्तारी की धमकी देते थे, बचने के लिए पैसे मांगते थे और समझौता कराने के लिए डर का इस्तेमाल करते थे। डीजीपी ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया और जांच चल रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि कई मामलों में व्यक्तिगत सत्यापन जरूरी होगा क्योंकि व्हाट्सएप अकाउंट चलाने वाला व्यक्ति जरूरी नहीं कि वही हो जिसके नाम पर मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड है। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के दौरान पहचाने गए कई लोग असम के बाहर पाए गए, जिनकी सीम लोकेशन हैदराबाद और बेंगलुरु जैसी जगहों से जुड़ी थी। सिंह ने कहा कि कार्रवाई के तहत पहचाने गए कई लोग राज्य के बाहर पाए गए हैं, जिनकी सीम लोकेशन हैदराबाद, बैंगलोर और अन्य जगहों से जुड़ी मिली हैं। हम उन्हें भी वापस लाएंगे। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन पूरे असम में चलाया जा रहा है, सिवाय सदिया, माजुली और कुछ अन्य इलाकों के, जहां अब तक ऐसे कोई मामले सामने नहीं आए हैं। गुवाहाटी में दोपहर तक दो गिरफ्तारियां हो चुकी थीं, हालांकि जिलेवार विस्तृत आंकड़े अभी तैयार नहीं किए गए थे। सिंह ने कहा कि कथित अपराधों की सही प्रकृति जांच और एफआईआर दर्ज होने के बाद ही पता चलेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

असम में 5.5 लाख छात्र एनरोल में तो हैं, लेकिन वे नहीं आ रहे हैं स्कूल : डेटा

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने शनिवार को स्कूल और आंगनवाड़ी रिकॉर्ड के डेटा-आधारित विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि असम के स्कूलों में दाखिला लेने वाले लगभग 5.5 लाख छात्र अब क्लास में नहीं आ रहे हैं। सरकारी स्कूलों में घटते दाखिले को लेकर चिंताओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए, राज्य के शिक्षा विभाग ने *शिक्षा सेतु* के डेटा और महिला एवं बाल विकास विभाग के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों के रिकॉर्ड का विश्लेषण करने के बाद यह आंकड़ा निकाला। शिक्षा मंत्री रानोज पेगु ने श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में शिक्षक दिवस के एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि हमने जांच की कि क्या चौथी क्लास में पढ़ने वाले छात्रों ने बाद में छठी क्लास में दाखिला लिया। हमने आंगनवाड़ी डेटा का भी विश्लेषण किया। हमने पाया कि कई छात्रों ने दाखिला तो लिया, लेकिन एक या दो महीने बाद आना बंद कर दिया। हमारे -शेष पृष्ठ दो पर

झीरम घाटी नरसंहार मामले में सभी 10 आरोपी दोषी करार

न्यायालय 16 को सुनाएगी सजा

जगदलपुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के जिला एवं सत्र न्यायालय जगदलपुर में एनआईए की विशेष न्यायालय के न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत ने लगभग 13 साल पुराने झीरम घाटी नरसंहार मामले में शनिवार को अहम फैसला सुनाते हुए सभी 10 आरोपितों को दोषी करार दिया। लंबे समय से इस मामले के फैसले का इंतजार कर रहे पीड़ित परिवारों के लिए इसे महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 101 गवाहों के बयान अदालत में दर्ज कराए -शेष पृष्ठ दो पर

मीडिया में दिख रहा है विश्वसनीयता का संकट : गडकरी

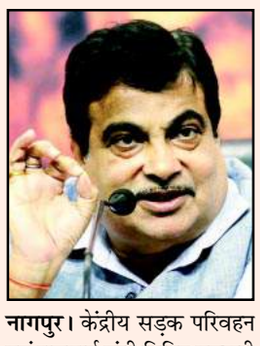

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को मीडिया की विश्वसनीयता पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायपालिका के साथ स्वतंत्र मीडिया भी जरूरी है। गडकरी आईआईएम नागपुर केमीडिया कॉन्क्लेव 2026 में बोल रहे थे। कार्यक्रम का विषय *मीडिया, नेतृत्व और नई विश्व व्यवस्था* था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के चार प्रमुख स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया हैं। इन संस्थानों की भूमिका लोकतंत्र के विकास में बेहद अहम है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आज सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता कम हुई है, लेकिन मीडिया क्षेत्र में यह संकट सबसे ज्यादा गंभीर है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सभी -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान में चुनावी सिंबल पर विवाद प्रत्याशियों को मिला *चप्पल* चिह्न

जयपुर। राजस्थान के दौसा में चुनाव चिह्न को लेकर एक बड़ा ही दिलचस्प मामला सामने आया है। यहां निकाय चुनाव में कुछ निर्दलीय प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह के रूप में चप्पल आवंटित किया गया है, जिसपर प्रत्याशियों ने विरोध जताया है। प्रत्याशियों का कहना है कि निर्वाचन आयोग को चप्पल चुनाव चिह्न सेकंड ऑप्शन पर नहीं रखना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वो चप्पल चुनाव चिह्न को शुभ नहीं मानते, लेकिन फिर भी उन्हें ये चुनाव चिह्न जबरन दिया जा रहा है। प्रत्याशियों का कहना है कि चुनाव में खड़े होते समय हर उम्मीदवार अपनी पसंद का चुनाव चिह्न चाहता है, लेकिन यहां तो प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न के रूप में चप्पल मिल गया है, जिसपर उन्होंने नाराजगी जताई है। दरअसल, चुनाव चिह्न की सूची में पहले नंबर पर अलमारी और दूसरे नंबर पर चप्पल होने के कारण अधिकतर निर्दलीय प्रत्याशियों को चप्पल चुनाव चिह्न ही आवंटित किया जा रहा है। इसपर रिटर्निंग अधिकारी संजू मीणा ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग की -शेष पृष्ठ दो पर

कश्मीर में सुरक्षाबलों ने किया आतंकी यासिर को ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार को बताया कि बडगाम में मुठभेड़ में मारा गया आतंकवादी यासिर, पाकिस्तान का नागरिक था और कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तुम भाग तो सकते हो, लेकिन छिप नहीं सकते! ऑपरेशन अशदार के दौरान मारे गए आतंकवादी की पहचान यासिर के तौर पर हुई है, जो लश्कर-ए-तैयबा का पाकिस्तानी नागरिक था। सेना, जम्मू-कश्मीर -शेष पृष्ठ दो पर

बच्चों के व्यवहार और रोजमर्रा की गतिविधियों पर भी नजर रखें शिक्षक : पीएम मोदी

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षकों से विद्यार्थियों की पढ़ाई और शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ उनके व्यवहार, दिनचर्या और मानसिक स्थिति पर भी ध्यान देने का आह्वान किया है। उन्होंने बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और अत्यधिक स्क्रीन इस्तेमाल को लेकर शिक्षकों से सतर्क रहने की अपील की। प्रधानमंत्री शुक्रवार शाम लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों और शिक्षाविदों के साथ संवाद कर रहे थे। शिक्षक दिवस से एक दिन पहले आयोजित इस कार्यक्रम में इस वर्ष के 82 पुरस्कार विजेताओं ने हिस्सा लिया। इनमें 48 स्कूली शिक्षक, 21 उच्च शिक्षण संस्थानों और -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम

समय पर न्याय मिलना जरूरी : सीजेआई

नई दिल्ली। दिल्ली में ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम की चर्चाओं का आज (शनिवार) दूसरा दिन है। इस दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने ब्रिक्स सदस्य देशों और सहयोगी देशों के प्रतिनिधिमंडलों और प्रतिनिधियों को संबोधित किया और कहा कि ब्रिक्स चीफ जस्टिस फोरम असल में पारंपरिक धागों से बुना गया एक आधुनिक ताना-बाना है। उन्होंने कहा कि कई तरह के विषयों पर हमारी चर्चाओं का आधार एक साझा मकसद है। ऐसे समाधान खोजना जो मानवता के काम आएं और एक ऐसी दुनिया की कल्पना करना, जहां कानून एक ऐसी सौम्य लेकिन अडिग धारा बन सके जो विकास की नदी को साझा समृद्धि के सागर की -शेष पृष्ठ दो पर

असम के शिक्षक को मिला नेशनल अवॉर्ड छात्रों को देते हैं रोज नया असाइनमेंट

गुवाहाटी। राजेश बरदलै एक ऐसे शिक्षक, जो न केवल अपने स्टूडेंट्स को शिक्षित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें इस काबिल बना रहें कि वे अपने घर जाकर अपनी मां को भी पढ़ा सकें। शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए राजेश बरदलै को नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वो अपने छात्र-छात्राओं को रोज एक ऐसा असाइनमेंट देते हैं, तो किताबों से कुछ अलग भी उन्हें सिखाता हो। राजेश बरदलै भूगोल के अध्यापक हैं और वे असम के जोरहाट जिले के कालबारी में *आदर्श ट्राइबल हायर सेकेंडरी स्कूल* में पढ़ाते हैं। उनसे पढ़ने वाले ज्यादातर बच्चे आदिवासी परिवारों से हैं। राजेश बरदलै अपने स्टूडेंट्स को ऐसे पढ़ा रहे हैं कि वो घर जाकर अपनी माताओं को सभी चीज सिखा सकें। इनके स्टूडेंट्स माताओं को पढ़ना, यूपीआई पेमेंट करना, ऑनलाइन बैंकिंग का इस्तेमाल करना और डिजिटल सेवाओं का लाभ उठाना सिखाते हैं। इस कदम से वो महिलाएं भी शिक्षा हासिल कर पा रही हैं, जिन्होंने बहुत कम या बिल्कुल भी पढ़ाई नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में खसरे का कहर, एक हजार के करीब पहुंची बच्चों की मौत

ढाका (हि.स.)। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। देश में मार्च से अब तक खसरे और खसरे जैसे लक्षणों से 987 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अकेले पिछले 24 घंटों में 1,114 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। मृतकों में बड़ी संख्या बच्चों की है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि यह प्रकोप दशकों में देश में सामने आए सबसे गंभीर खसरा संकटों में से एक बन गया है। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) तथा ताइवान की राष्ट्रीय समाचार सेंट्रल न्यूज एजेंसी (सीएनए) ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

संयुक्त राष्ट्र ने पास किया *करेक्ट द मैप* प्रस्ताव अब सही आकार में दिखेंगे भारत और अफ्रीकी देश

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वैश्विक मानचित्रों को महाद्वीपों के वास्तविक क्षेत्रफल के ज्यादा करीब दिखाने वाला *करेक्ट द मैप* प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित कर दिया है। टोगो की ओर से पेश और अफ्रीकी संघ के समर्थन वाले इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 देश रहे। अकेला विरोध संयुक्त राज्य अमेरिका का रहा जबकि एस्टोनिया, जॉर्जिया, लिथुआनिया, मोल्दोवा, सर्बिया और यूक्रेन ने मतदान से दूरी बनाई। भारत ने प्रस्ताव का स्वागत करते हुए उसके पक्ष में वोट दिया। वैसे यह प्रस्ताव बाध्यकारी नहीं है लेकिन अब विभिन्न सरकारें व अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां स्कूलों, मीडिया, डिजिटल प्लेटफार्म और आधिकारिक नक्शों में मौजूदा मर्केटर प्रक्षेपण की जगह समान-क्षेत्रफल वाले नक्शों को बढ़ावा दे सकेंगे। मोटे तौर पर दुनिया के नक्शे में अब भारत का नक्शा बड़ा दिखेगा। अफ्रीका व दर्जनों अन्य देशों का नक्शा भी सही तरीके से सामने आएगा। बताते चलें कि यह प्रस्ताव इसलिए लाया गया क्योंकि सदियों से चले आ रहे मर्केटर नक्शे ने दुनिया का चित्र सही तरीके से सामने नहीं आता। सोलहवीं सदी में शिपिंग करने वालों के लिए बना नक्शा बनाने का यह तरीका ध्रुवों के पास के इलाकों को बड़ा और भूमध्य रेखा के पास के महाद्वीपों को छोटा दिखाता है। नतीजा यह कि ग्रीनलैंड से अफ्रीका 14 गुणा बड़ा होने के बावजूद नक्शे में उससे छोटा दिखाया जाता है। अमेरिका और कई पश्चिमी देश मानचित्र पर वास्तविक क्षेत्रफल से ज्यादा विशाल खंड की तरह उभरते हैं जबकि अफ्रीका, दक्षिण एशिया का आकार छोटा व सिकुड़ा पेश किया जाता है। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह विकृति दुनिया की असंतुलित छवि बनाती है। वैसे इससे भारत पर कोई सीधा असर नहीं होगा। किसी देश का भौगोलिक क्षेत्रफल नहीं बढ़ने जा रहा, फर्क यह होगा कि समान-क्षेत्रफल वाले नक्शों पर भारत और दक्षिण एशिया यूरोप व उत्तरी अमेरिका के मुकाबले ज्यादा वास्तविक अनुपात में दिखेंगे। कक्षाओं और समाचारों में देश का भौगोलिक वजन अब छोटा नहीं लगेगा। भारत ने साफ किया कि है कि वह ऐसे नक्शे का समर्थन करता है जो महाद्वीपों का आपसी आकार सही रखें। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के प्रथम सचिव रघू पुरी ने कहा कि नक्शे यह तय करते हैं कि समाज भूगोल और दुनिया के पैमाने को कैसे समझता है। इसलिए भारत प्रस्ताव के इरादे का स्वागत करता है। उन्होंने जोड़ा कि इसे किसी एक कार्टोग्राफिक पद्धति का समर्थन नहीं समझा जाना चाहिए। अब आगे स्कूल की किताबें, सरकारी प्रस्तुतियां और डिजिटल मानचित्र कितनी जल्दी बदलते हैं, यह सदस्य देशों और संस्थानों पर निर्भर करेगा।

बेंगलुरु की जेल में पांच विचाराधीन कैदियों ने वार्डन पर किया जानलेवा हमला, केस दर्ज

बेंगलुरु। बेंगलुरु की परप्पना अग्रहारा केंद्रीय जेल में नियम पालन को लेकर हुए विवाद के बाद पांच विचारधीन कैदियों (अंडरट्रायल) ने 32 वर्षीय जेल वार्डन मंजूनाथ हवेली पर कथित तौर पर जानलेवा हमला कर दिया और गला घोंटने की कोशिश भी की। ये पांचों विचाराधीन कैदी बजरंग दल के पूर्व कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में जेल में बंद हैं। घटना के बाद परप्पना अग्रहारा थाना पुलिस ने पांचों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और मारपीट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि वार्डन मंजूनाथ हवेली पर यह कथित हमला 2 सितंबर को जेल के नियमों को लेकर हुए विवाद के बाद हुआ। पुलिस के अनुसार, हवेली 2 सितंबर को सुबह करीब 10.05 बजे एक कैदी के बारे में जानकारी लेने के लिए जेल के एनेक्स-1 में गए थे। उन्हें एक तय वीडियो-कांफ्रेंसिंग मीटिंग के लिए यह जानकारी चाहिए थी। तभी आरोपियों में से एक, मोहम्मद मुशामिर ने कथित तौर पर उनके साथ बदसलूकी की और जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि मुशामिर ने हवेली के चेहरे और नाक पर कई बार घूंसे मारे। हमले के दौरान, चार अन्य विचाराधीन कैदी - अब्दुल शफगन, मोहम्मद रिजवान, नियाज और कलंदर शफी - भी इसमें शामिल हो गए और वार्डन को एक कमरे में खींचकर उनका गला घोंटने की कोशिश की। जेल कर्मचारियों ने बीच-बचाव किया और हवेली को बचाया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके बाद परप्पना अग्रहारा पुलिस ने पांचों विचाराधीन कैदियों के खिलाफ हत्या के प्रयास और मारपीट समेत कई आरोपों में मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि मुशामिर को सुरक्षा अनुभाग से एनेक्स-1 में भेजा गया था और वह हवेली से इसलिए नाराज था क्योंकि हवेली ने उसे जेल के अंदर अतिरिक्त सामान ले जाने से रोका था। पुलिस ने कहा कि वे अदालत की अनुमति मिलने के बाद पांचों आरोपियों से पूछताछ करेंगे। मामले की आगे की जांच जारी है। कलाबुरागी में पत्रकारों से बात करते हुए गृह मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि वह इस घटना की जानकारी लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे पूरी जानकारी नहीं मिली है।

आईएसबीटी में सड़क हादसा, एक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) में शनिवार को हुए सड़क हादसे में स्कूटी सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी अनियंत्रित होकर एक मालवाहक ट्रक के नीचे जा घुसी। हादसे में स्कूटी सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अभी नहीं हो सकी है। हादसे के संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

काजीरंगा की जमीन कॉरपोरेट हितों को सौंपने का कांग्रेस का आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। काजीरंगा में स्थानीय किसानों की जमीन कॉरपोरेट हितों को सौंपने का आरोप लगाते हुए शनिवार को बोकाखात में नागरिक विरोध सभा आयोजित की गई। सभा में एनएसए के तहत हिरासत में लिए गए कार्यकर्ता प्रणब दलै की बिना शर्त रिहाई की मांग की गई। सभा में कांग्रेस ने सक्रिय भागीदारी करते हुए सरकार पर दमनकारी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया और रिपुन बोरा ने भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि आदिवासी और स्थानीय लोगों की जमीन की रक्षा के लिए आंदोलन जारी रहेगा।

शिक्षक दिवस पर असम भाजपा ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। शिक्षक दिवस पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की असम प्रदेश इकाई ने शनिवार को भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गुवाहाटी के बशिष्ठ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी भवन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रिजुनानी गोस्वामी द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। इस दौरान ज्ञान, विवेक और शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया। असम सरकार के मंत्री अश्विनी राय सरकार कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। डॉ. नीलिमा गोस्वामी और शिक्षाविद् डॉ. दयानंद पाठक ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन, शैक्षिक दर्शन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर विचार व्यक्त किए। डॉ. दयानंद पाठक ने कहा कि शिक्षा केवल जानकारी या अकादमिक ज्ञान हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र, नैतिकता, स्वतंत्र चिंतन, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रीय चेतना के विकास का महत्वपूर्ण साधन है। डॉ. नीलिमा गोस्वामी ने कहा कि मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण केवल आर्थिक विकास और आधारभूत ढांचे से नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी के विचार, मूल्य, अनुशासन, बौद्धिक क्षमता और राष्ट्रीय चेतना को आकार देने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के संयोजक रंजीत सभापंडित ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए शिक्षक दिवस और डॉ. राधाकृष्णन के विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इस अवसर पर असम प्रदेश भाजपा ने समूचे शिक्षक समुदाय के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। पार्टी ने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन द्वारा प्रतिपादित ज्ञान, अनुशासन, ईमानदारी, मानवीय मूल्यों और राष्ट्रसेवा के आदर्श आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम में असम प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष डॉ. अमिय भुइयां और अशोक भट्टाचार्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पार्टी की उपाध्यक्ष रत्ना सिंह ने किया।

जन्माष्टमी पर असम पुलिस ने 58 गोवंश तस्करों के चंगुल से मुक्त कराए : सीएम

गुवाहाटी (हिंस)। जन्माष्टमी के दिन असम पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 58 गोवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। इस आशय की जानकारी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को शोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण और गोवंश के गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए कहा कि जब कुछ *असुर* 58 गोवंश को अवैध तरीके से विदेश भेजने की तैयारी में जुटे थे, उसी समय असम पुलिस की टीम *श्रीकृष्ण के दूत* के रूप में सामने आई। मुख्यमंत्री के अनुसार, पुलिस ने धुबड़ी जिले के विभिन्न इलाकों, नदी के चर समेत अन्य स्थानों से गोवंश को बरामद कर लिया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.8PSC/E-10/2026-2027

NOTIFICATION

In continuation of this office notification **No.3PSC/E-10/2026-2027 Dated Guwahati the 31st July, 2026,** attention is hereby drawn for the candidates who have applied for **Combined Competitive (Main) Examination, 2025** that the **Combined Competitive (Main) Examination, 2025** will be held as per programme given below at **Guwahati Centre :**

Date	Forenoon (09:00 AM to 12:00 PM)	Afternoon (01:30 PM to 04:30 PM)
09.10.2026 (Friday)	**Paper-1 Essay**	**Paper-2 General Studies-I**
10.10.2026 (Saturday)	**Paper-3 General Studies-II**	**Paper-4 General Studies-III**
11.10.2026 (Sunday)	**Paper-5 General Studies-IV**	**Paper-6 General Studies-V**

N.B. - The list of candidates along with Roll Nos. and e-Admission Certificates will be uploaded by 18th September, 2026 and 19th September, 2026 respectively in the Commission's website www.apsc.nic.in. No e-Admission Certificates shall be sent separately by post.

Sd/-
Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- DIPR /D/VBS-59/6-Sep-26

पृष्ठ एक का शेष

27 नवंबर को बाल ...

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किया। प्रस्ताव में 27 नवंबर को बाल विवाह समाप्त करने के लिए समर्पित अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित करने का अनुरोध किया गया था। संयुक्त राष्ट्र ने चार सितंबर को प्रस्ताव को पारित कर दिया। प्रस्ताव पारित होने के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में मौजूद भुवन ऋभु नागरिक समाज संगठनों की ओर से एकमात्र प्रतिनिधि थे। उन्होंने इस घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि बाल संरक्षण के क्षेत्र में भारत की पहल अब वैश्विक अभियान का रूप ले रही है। ऋभु ने कहा कि 27 नवंबर 2024 को बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत 25 करोड़ से अधिक लोगों ने बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली थी। उन्होंने बच्चों, समुदायों, धर्मगुरुओं और सहयोगी संगठनों के प्रयासों की सराहना करते हुए मोदी सरकार और महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी के प्रति आभार जताया। उन्होंने दुनिया की सरकारों से 2030 तक बाल विवाह समाप्त करने के लिए निर्णायक कदम उठाने तथा प्रत्येक बच्चे की शिक्षा, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार भारत में 18 वर्ष से कम उम्र में विवाह करने वाली लड़कियों का अनुपात 23.3 प्रतिशत था। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (2023-24) में यह आंकड़ा घटकर 20.1 प्रतिशत रह गया। केंद्र सरकार ने 2026 तक बाल विवाह की दर को 10 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा है। बाल विवाह समाप्त करने की वैश्विक प्रतिबद्धता सतत विकास लक्ष्य-5 के लक्ष्य 5.3 के अनुरूप है। इसमें बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह जैसी हानिकारक प्रथाओं के उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भारत की बाल विवाह मुक्त भारत मुहिम से प्रेरणा लेकर दिसंबर 2024 में बाल विवाह मुक्त नेपाल अभियान शुरू किया गया। जेआरसी का दावा है कि यह अभियान 99 से अधिक देशों तक पहुंच चुका है और 25 करोड़ से अधिक लोगों ने अपने-अपने देशों में बाल विवाह समाप्त करने की शपथ ली है। जेआरसी के अनुसार भारत में उसके सहयोगी संगठनों ने 5.50 लाख से अधिक बाल विवाहों को रोकने में मदद की है। संगठन 782 जिलों में सरकारों, कानून-प्रवर्तन एजेंसियों, स्कूलों, पंचायतों, महिलाओं, धर्मगुरुओं और समुदायों के साथ मिलकर बाल विवाह की रोकथाम के लिए काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ...

असम सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को समर्थन और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी और निरंतर प्रयास जरूरी है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम सरकार बाल विवाह के खिलाफ लगातार कड़े कदम उठा रही है और राज्य से इस सामाजिक बुराई को समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की रोकथाम और इसके खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र के इस फैसले की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा करते हुए इसे बाल विवाह के खिलाफ चलाए जा रहे प्रयासों को वैश्विक स्तर पर नई गति देने वाला कदम बताया।

यूनेस्को विश्व धरोहर में ...

के अनुसार, रंगघर एशिया के सबसे पुराने जीवित एम्फीथिएटरों में से एक है। डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह पहल आहोम सभ्यता के गौरवशाली इतिहास को विश्व मंच पर और अधिक प्रमुखता से स्थापित करेगी। वर्ष 2024 में चराइदेउ के मैदाम को यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा मिलने के बाद यह कदम आहोम विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि चराइदेउ आहोम राजवंश की स्मृतियों को संजोए हुए है, जबकि शिवसागर उनके शासन की गौरवगाथा को दर्शाता है। दोनों स्थल मिलकर असम के आहोम इतिहास की समृद्ध कहानी को पूर्ण करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम की विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति राज्य की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया।

ऑपरेशन अगेंस्ट 420...

उन्होंने कहा कि पकड़े गए कई लोगों के टीमों या गिरोहों में काम करने का संदेह है। डीजीपी ने कहा कि हमारी कोशिश है कि इस माहौल को साफ किया जाए ताकि नागरिकों को कोई परेशानी न हो। इसीलिए यह ऑपरेशन चलाया गया है और यह अभी भी जारी है। दिन भर जिले-वार जानकारी मिलती रही। गोलाघाट में, पुलिस की जानकारी के आधार पर लाटू बरुआ और नयन ज्योति सैकिया नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का आरोप है कि ये दोनों डिप्टी कमिश्नर के ऑफिस से जुड़े बिचौलिये का काम करते थे और कहा कि इस मामले में सबूत भी इकट्ठा किए गए हैं। बिश्वनाथ में, चुटिया, बिश्वनाथ, बेहाली, गोहपुर और जिंजिया पुलिस स्टेशनों के ऑपरेशन में पुलिस ने 10 कथित धोखेबाजों को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए लोगों में से कई कथित तौर पर विलेज डिफेंस पार्टी (वीडीपी) के सेक्रेटरी थे। उनकी भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर डीजीपी ने कहा कि अभी तक मुझे वीडीपी सदस्यों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है, लेकिन अगर वे इसमें शामिल पाए जाते हैं, तो कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। चिरांग में चार कथित धोखेबाजों को हिरासत में लिया गया। बिजनी पुलिस स्टेशन ने नबी खान, अब्दुल हाई नागरिक और मोजामुल हक को हिरासत में लिया, जबकि रफीकुल इस्लाम को काजलगांव पुलिस स्टेशन ने हिरासत में लिया। पुलिस ने कहा कि ऑपरेशन जारी है और आगे भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

असम में 5.5 लाख छात्र ...

विश्लेषण से पता चला कि लगभग 5.5 लाख छात्र अब स्कूलों में नहीं आ रहे हैं। पेगु ने कहा कि सरकार ने सिर्फ इस तर्क को मानने के बजाय कि छात्र शिक्षा का स्तर गिरने के कारण सरकारी स्कूल छोड़ रहे हैं, डेटा पर भरोसा किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में चर्चा हुई थी कि 2.5 लाख छात्रों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिए हैं और ऐसा शिक्षा की गिरती गुणवत्ता के कारण हुआ है। हमने अंदाजा लगाने के बजाय डेटा की जांच करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि विभाग ने छात्रों की स्कूलिंग के एक चरण से दूसरे चरण में जाने पर नजर रखी और स्कूल में दाखिले के रिकॉर्ड की तुलना आंगनवाड़ी डेटा से की। पेगु ने कहा कि व्यापक डेटाबेस की उपलब्धता ने नीति बनाने के सरकार के तरीके को काफी बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पहले हमारे पास ऐसे पोर्टल नहीं थे। आज हमारे पास यह विश्लेषण करने के लिए डेटा है कि जमीनी स्तर पर असल में क्या हो रहा है। इन व्यापक डेटाबेस की वजह से, हम नीति बनाने में काफी आगे बढ़ गए हैं। मंत्री ने राज्य के डिजिटल एडमिशन सिस्टम का भी उदाहरण दिया कि कैसे टेक्नोलॉजी सीटों की बर्बादी को रोकने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि हायर एजुकेशन में एडमिशन की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए समर्थ पोर्टल का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि स्कूलों के लिए विद्यालय सेतु पोर्टल शुरू किया गया है। मंत्री एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां 15 शिक्षकों को शिक्षा में उनके योगदान के लिए *स्टेट टीचर्स अवॉर्ड 2026* से सम्मानित किया गया। पुरस्कार पाने वालों को राज्य स्तरीय चयन समिति की सिफारिश पर चुना गया था, जो उनकी शैक्षणिक प्रतिबद्धता, पढ़ाने के नए तरीकों, छात्रों और स्कूलों में योगदान, समुदाय से जुड़ाव और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन सेवा पर आधारित थी। वे जोरहाट, कामरूप मेट्रो, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, शोणितपुर, बरपेटा, धुबड़ी, नगांव, कोकराझाड़, गोलाघाट, होजाई, दरंग, कछार और कार्बी आंग्लांग जिलों के स्कूलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। 15 पुरस्कार विजेताओं में सेकेंडरी और एलिमेंट्री स्कूलों के प्रिंसिपल, पोस्ट-ग्रेजुएट शिक्षक, असिस्टेंट टीचर, हेड टीचर और हेडमास्टर शामिल हैं। *स्टेट टीचर्स अवॉर्ड 2026* के लिए चुने गए शिक्षकों में जोरहाट से श्यामलिमा बोरा, कामरूप मेट्रो से बिजन रॉय भौमिक, नलबाड़ी से मानव भराली, डिब्रूगढ़ से रिजु कुमार चुटिया, शोणितपुर से प्रोबिन कोच, बरपेटा से रणेंद्र कुमार दास, धुबड़ी से अजीजुर रहमान, नगांव से माणिक चंद्र नाथ, कोकराझाड़ से बीबी प्रसाद ब्रह्मा, गोलाघाट से पुलस्का राजखोवा, होजाई से सारंगा निर्मलिया, डिब्रूगढ़ से दिति मोनी दत्त, दरंग से बेफुला डेका सैकिया, कछार से स्वस्त्यन देब और कार्बी आंग्लांग से कामसिंग हंस शामिल हैं।

झीरम घाटी नरसंहार...

गये थे। शासन की ओर से इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पाणिग्रही ने पैरवी की थी। मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश पाणिग्रही ने बताया कि एनआईए की विशेष न्यायालय ने सभी 10 आरोपितों को दोषी करार दिया है। उन्होंने बतया कि रिकॉर्ड के अनुसार एनआईए में इस मामले की एफआईआर संख्या 06/2013 दर्ज है। जिसमें आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 341, 121, 121, 122, 307, 302, 427, 396, 397 और 120-बी सहित कई धाराएं लगाई गई थीं। इसके अलावा भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27, विस्फोटक अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 तथा यूएपीए की धारा 16, 18, 20, 38(2), 39(2) और 40(2) के तहत भी मामला दर्ज था। उन्होंने बताया कि इस पर न्यायालय आज निर्णय देते हुए 16 सितंबर को सजा का निर्धारण करेगी। बचाव पक्ष के वकील अरविंद चौधरी ने कहा है कि सभी 10 आरोपी को एनआईए कोर्ट ने दोषी माना है। आरोपी को सजा सुनाने के लिए 16 सितंबर की तारीख तय की गई है।

राजस्थान में चुनावी सिंबल ...

गाइडलाइन के अनुसार ही प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित किए जा रहे हैं। संजू मीणा ने कहा कि प्रत्याशियों को क्रमवार ही चुनाव चिह्न आवंटित किए जा रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र में ऐसे चुनाव चिह्न भर दिए थे, जो आयोग द्वारा जारी की गई 40 चुनाव चिह्नों की लिस्ट में थे ही नहीं, ऐसे में उनकी पसंद के चुनाव चिह्नों को आवंटित करना संभव नहीं था। इसलिए क्रम संख्या के आधार पर चुनाव चिह्न दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले प्रत्याशी को अलमारी और दूसरे प्रत्याशी को चप्पल चुनाव चिह्न का आवंटन हो रहा है। हालांकि प्रत्याशियों ने इसका विरोध किया है। प्रत्याशी इसे शुभ-अशुभ के नजरिए से देख रहे हैं, जबकि चुनाव अधिकारियों का कहना है कि राज्य निर्वाचन आयोग की तय गाइडलाइन के मुताबिक ही सारी प्रक्रियाएं हो रही हैं, जिसमें चुनाव चिह्न का आवंटन भी शामिल है। ऐसे में यह मामला न सिर्फ दौसा बल्कि पूरे राजस्थान में चर्चा का विषय बन गया है।

कश्मीर में सुरक्षाबलों ...

पुलिस और सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स ने आतंकवादियों की गतिविधि की खुफिया जानकारी मिलने के बाद अशदार गली के जंगल वाले इलाके में एक जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया। अधिकारियों के हवाले से बताया कि यह ऑपरेशन गुरुवार को तब शुरू हुआ जब ऐसी खबरें मिलीं कि संदिग्धों का एक ग्रुप पुलवामा जिले के पाखेरपोरा से बडगाम के यूसमर्ग की ओर जा रहा था। शुक्रवार को घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों का संदिग्ध आतंकवादियों से सामना हुआ। सेना ने बताया कि जब जवानों ने उन्हें चुनौती दी तो ग्रुप ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया। सेना की चिनार कोर ने एक्स पर कहा कि ऑपरेशन अशदार, बडगाम। खुफिया जानकारी के आधार पर, भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और श्रीनगर सेक्टर सीआरपीएफ ने बडगाम के अशदार गली इलाके में एक जॉइंट सर्च ऑपरेशन चलाया। सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और जब उन्हें चुनौती दी गई, तो आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद हुई जबरदस्त मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और एक एके राइफल व युद्ध से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद की गई। सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ वाली जगह से एक एके राइफल और सेना का अन्य सामान बरामद किया। सुरक्षा बलों ने उस ग्रुप के बाकी संदिग्ध सदस्यों की तलाश के लिए आस-पास के जंगल में सर्च ऑपरेशन जारी रखा। श्रीनगर स्थित 15 कॉर्प्स ने इस मिशन का नाम ऑपरेशन अशदार रखा। कई महीनों के अंतराल के बाद कश्मीर घाटी में हुई यह पहली मुठभेड़ थी।

बच्चों के व्यवहार और ...

पॉलिटेक्निक के शिक्षक तथा 13 कौशल प्रशिक्षक शामिल रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक की जिम्मेदारी केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने तक सीमित नहीं है। उन्हें विद्यार्थियों के व्यवहार में होने वाले बदलावों को पहचानना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन देना चाहिए। मोदी ने कहा कि पारंपरिक संयुक्त परिवार व्यवस्था कमजोर होने के कारण बच्चों के जीवन में शिक्षकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में शिक्षकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाने और उनकी समस्याओं के पीछे के कारणों को समझने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने बच्चों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति का विशेष रूप से उल्लेख किया।

मीडिया में दिख रहा ...

मीडिया संस्थानों ने अपनी साख नहीं खोई है। उन्होंने कहा कि विश्वसनीयता, अच्छी छवि और ईमानदारी 21वीं सदी की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने मीडिया से अपनी खोई विश्वसनीयता वापस हासिल करने के लिए गंभीरता से सोचने की अपील की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि पहले समाचार पत्र और मीडिया घराने यह दावा करते थे कि वे तय करेंगे कि चुनाव कौन जीतेगा, लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से यह पूरा ट्रेंड बदल चुका है। अब पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी और ज्यादा गंभीरता से समझनी होगी। उनका कहना था कि पत्रकारिता का केंद्र आम लोगों, समाज और देश के हित में होना चाहिए।

समय पर न्याय मिलना ...

ओर ले जाए। सीजेआई ने आगे कहा कि जिस तरह भारत की पुरानी और समृद्ध विरासत ने खुले दिल और खुले दिमाग से लोगों का स्वागत किया है, उसी तरह यह फोरम भी हमें खुलकर चर्चा करने, विनम्रता से सोचने और आपसी समझ को बढ़ाने के लिए आमंत्रित करता है। हमारी बातचीत में हर सवाल का स्वागत करने और तर्क की कसौटी पर हर विचार को परखने की भावना झलकनी चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत का *ग्लोबलाइज्ड इकोनॉमी में अंतर्राष्ट्रीय कमर्शियल विवादों को सुलझाने के लिए एक रणनीतिक तरीके के तौर पर मध्यस्थता* विषय पर संबोधन था, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसी दुनिया में जहां व्यापार तेजी से आगे बढ़ रहा है, न्याय व्यवस्था को भी तेजी से और सही ढंग से काम करना चाहिए। सीजेआई ने आगे कहा कि हमारे ब्रिक्स सदस्य और सहयोगी देशों की परंपराएं हमें याद दिलाती हैं कि बातचीत और सुलह लंबे समय से विवादों को सुलझाने का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत में पंचायतों ने समुदाय के विवादों को सुलझाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

असम के शिक्षक को ...

की है। उनके लिए घर पर अपने बच्चों से सीखना न सिर्फ सुविधाजनक हो गया है, बल्कि यह उन्हें अपने बच्चों को स्कूल भेजना जारी रखने के लिए प्रेरित भी करता है। इस साल देशभर से 48 शिक्षकों को नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। वहीं इन टीचर्स की लिस्ट में राजेश बरदलै का नाम भी शामिल है। साक्षरता के इस मिशन को आगे बढ़ाने वाली *ईच वन टीच वन* (हर कोई एक को सिखाए) पहल के लिए ही राजेश बरदलै को नेशनल टीचर्स अवॉर्ड मिला है। राजेश बरदलै ने देखा कि एक तरफ जहां युवा पीढ़ी टेक्नोलॉजी को सीखते हुए आगे बढ़ रही है, वहीं उनकी माताओं को आम जानकारी भी नहीं है। ऐसे में माताओं और बच्चों के बीच साक्षरता का अंतर बढ़ता जा रहा है। बरदलै ने कहा कि जब कोई बच्चा घर पर टीचर बनता है, तो शिक्षा एक साझा सफर बन जाती है। किसी स्टूडेंट को अपनी मां के पास बैठकर धैर्यपूर्वक मोबाइल फोन का इस्तेमाल करना या डिजिटल पेमेंट करना सिखाते हुए देखना बहुत प्रेरणादायक होता है। इस पहल में शामिल 10 में से 9 स्टूडेंट्स खेती पर निर्भर आदिवासी *मिसिंग* समुदाय से हैं, जो माजुली और आस-पास के इलाकों में रहते हैं। ईच वन टीच वन प्रोग्राम अब कालबारी से आगे बढ़कर बानफला, भेकेलिचापोरि, धनखुली, ललिता चापोरि गांव और सारिघरिया तक फैल गया है। बरदलै का स्कूल अब पैरेंट-टीचर मीटिंग के दौरान डिजिटल टूल्स का प्रदर्शन करने के लिए सरकार द्वारा दिए गए स्मार्ट बोर्ड का इस्तेमाल करता है। प्रिंसिपल राजीव कुमार बरुआ ने माना कि इस प्रोग्राम ने महिलाओं को तकनीक के प्रति अपनी झिझक दूर करने में मदद की है।

बांग्लादेश में खसरे ...

(डीजीएचएस) के हवाले से बताया कि, 15 मार्च से अब तक संदिग्ध खसरे से 888 बच्चों की मौत हुई है। वहीं, कन्फर्म खसरे से मरने वालों की संख्या 99 है। पिछले 24 घंटों में कन्फर्म खसरे से किसी मौत की सूचना नहीं मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 15 मार्च से अब तक 1,62,262 संदिग्ध खसरे के मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 19,567 मामले कन्फर्म हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 40 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 1,42,453 संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 1,37,350 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। राजधानी ढाका के बच्चों के अस्पतालों में खसरे से संक्रमित और संदिग्ध मरीजों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। अस्पताल के खसरा वार्ड में बड़ी संख्या में छोटे बच्चे भर्ती हैं और कई मरीजों को सांस लेने में गंभीर परेशानी के कारण ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। अस्पताल में भर्ती एक छह महीने के बच्चे अयान को पहले निमोनिया के कारण भर्ती कराया गया था। बाद में उसे खसरा हो गया। डॉक्टरों के मुताबिक, पहले से कमजोर फेफड़ों और कुपोषण के कारण उसकी स्थिति और गंभीर हो गई।

केरलम में लॉरी से टकराई ...

मौत हो गई। युवा सपनों से भरी यह जिंदगी पलक झपकते ही थम गई, जिससे डिंडीगुल और आसपास के क्षेत्रों में मातम पसरा हुआ है। पुलिस के अनुसार, यह हृदयविदारक घटना शुक्रवार रात लगभग 11 बजकर 40 मिनट पर पनंबिक्कुन्नु में घटी। तमिलनाडु के डिंडीगुल स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के ये छात्र गुरुवयूर से कोडुंगल्लूर की ओर जा रहे थे। जिस कार में वे सवार थे, वह तेज गति से आगे बढ़ रही थी और वह एनएच-66 पर एक निर्माण कार्य के चलते डायवर्जन के पास पहुंची। वहां सड़क के दाहिने हिस्से में महाराष्ट्र नंबर की एक लॉरी अवैध रूप से खड़ी थी। तेज रफ्तार कार के चालक को अंधेरे में न तो बैरिकेडिंग दिखाई दी और न ही खड़ी लॉरी, जिससे कार सीधे उसके पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि छह छात्रों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य को अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान सूर्या, युवसंजीत, जोशुआ, मुरली और जीवा (सभी डिंडीगुल के निवासी), संतोष व प्रसन्ना (मदुरै के) तथा विश्वा (सेलम के) के रूप में हुई है। स्वजनों के अनुसार, संतोष ने हाल ही में नई कार खरीदी थी, जिसका पंजीकरण पूरा न होने के कारण उन्होंने कोच्चि की इस यात्रा के लिए किराये पर गाड़ी ली थी, किसे पता था कि यह सफर उनकी अंतिम यात्रा बन जाएगा। इस दुखद घटना ने प्रशासन की कार्यशैली और सड़कों पर सुरक्षा के दावों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने लापरवाही और गैर-इरादतन हत्या के आरोप में लारी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, जो हादसे के बाद से फरार है। त्रिशूर ग्रामीण के जिला पुलिस प्रमुख मोहम्मद नदीमुद्दीन ने स्पष्ट किया है कि शुरुआती जांच में लारी चालक की बड़ी लापरवाही सामने आई है।

नगांव उपचुनाव : भाजपा में शामिल होने की तैयारी कर रहे पूर्व डीसी के खिलाफ ईसीआई ने शिकायत दर्ज की

गुवाहाटी। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने नगांव लोकसभा उपचुनाव से पहले प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों और अपनी कथित राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को लेकर उठे सवालों के बाद, नगांव के पूर्व जिला आयुक्त और जिला निर्वाचन अधिकारी देवाशीष शर्मा के खिलाफ औपचारिक रूप से शिकायत दर्ज की है। ईसीआई के पब्लिक ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम (पीजीआरएस) सेल ने धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन को सूचित किया कि उनकी शिकायत नेशनल ग्रीवांस सर्विसेज (एनजीएस) पोर्टल के माध्यम से दर्ज की गई है और जवाब व आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है। यह घटनाक्रम 3 सितंबर को आयोग को दिए गए हुसैन के उस आवेदन के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने सरकारी सेवा के दौरान शर्मा के आचरण से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की थी। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से सौंपे गए अपने पत्र में, कांग्रेस सांसद ने ईसीआई से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि आरोपों की जांच पूरी होने तक शर्मा को सरकारी सेवा से मुक्त न किया जाए। इस आवेदन में हुसैन द्वारा 30 अगस्त को की गई एक पिछली शिकायत का भी जिक्र किया गया था। हुसैन ने शर्मा के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) के आवेदन पर चिंता जताई और तर्क दिया कि सरकारी सेवा से उनके हटने से एक लोक सेवक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की जांच नहीं रुकनी चाहिए। सांसद ने शर्मा के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के फैसले को आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में उनकी संभावित उम्मीदवारी की अटकलों से भी जोड़ा है। 3 सितंबर के अपने आवेदन में, हुसैन ने एक निष्पक्ष, व्यापक और समयबद्ध जांच की मांग की। उन्होंने शर्मा की संभावित राजनीतिक उम्मीदवारी से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया और ऐसी तस्वीरें भी सौंपीं, जिनसे उनके अनुसार पता चलता है कि पूर्व डीसी बड़े पैमाने पर लोगों से मिल-जुल रहे थे और जनसंपर्क कर रहे थे। हुसैन का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी लोक सेवक के सरकारी सेवा छोड़ने से पद पर रहते हुए लिए गए फैसलों की जांच से बचा नहीं जा सकता। उन्होंने आयोग से आग्रह किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि शर्मा के खिलाफ कोई भी कार्यवाही निष्पक्ष रूप से और तय समय-सीमा के भीतर की जाए। इसके बाद शर्मा ने सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है और असम सरकार ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है। इस बीच, शर्मा के आने वाले दिनों में भाजपा में शामिल होने की संभावना है; पूर्व जिला आयुक्त का कहना है कि वे पार्टी से औपचारिक रूप से शामिल होने की तारीख का इंतजार कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी में शामिल होऊंगा। हमारी पहले से ही बातचीत चल रही है और इस्तीफा देने के बाद हमने स्थानीय विधायक पीयूष हजारिका से बात की। वे हमें पार्टी में औपचारिक रूप से शामिल होने के लिए एक तारीख देंगे। अपने फैसले के बारे में बताते हुए शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार के विकास के एजेंडे और मुख्यमंत्री के नेतृत्व ने उन्हें प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा सरकार के तहत विकास की रफ्तार और जिस तरह से हिमंत विश्व शर्मा आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं, उससे प्रभावित हूं। मैंने पहले ऐसा नजरिया नहीं देखा है। मेरा मानना है कि भाजपा विकास के लिए एक मंच प्रदान कर सकती है, और अगर मुझे मौका मिला, तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

दलालों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान के बीच कोकराझाड़ में बड़ी कार्रवाई, 20 हिरासत में

कोकराझाड़ (हिंस)। राज्यभर में बिचौलियों और दलालों के खिलाफ चलाए जा रहे सख्त अभियान के बीच कोकराझाड़ जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अभियान चलाकर कुल 20 संदिग्ध मध्यस्थों को हिरासत में लिए जाने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, कोकराझाड़ सदर थाना क्षेत्र से 8, फकीराग्राम थाना क्षेत्र से 2, गोसाईगांव से 7 तथा बगरीजाबाड़ी क्षेत्र से 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिरासत में लिए गए लोगों में एडीएमएसयू, यूपीपीएल तथा बीपीएफ से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के शामिल होने की बात सामने आई है। इस कार्रवाई के बाद पूरे जिले में राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। हालांकि, हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की वास्तविकता पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है।

मंत्री अजंता नेओग ने उदालगुड़ी और दरांग में महिला एवं बाल विकास योजनाओं की समीक्षा की

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गुवाहाटी (हिंस)। महिला एवं बाल विकास मंत्री अजंता नेओग ने शनिवार को को उदालगुड़ी और दरंग जिलों में विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा की और विकास कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ सरकारी धन के उचित उपयोग के निर्देश दिए। उदालगुड़ी में मंत्री ने नवंबर तक 152 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण पूरा करने का लक्ष्य दिया। वहीं, दरंग में दुर्गा पूजा से पहले 105 आंगनबाड़ी केंद्रों को पूरा करने का निर्देश दिया। नेओग ने बाल विवाह, मानव तस्करी, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और आंगनबाड़ी आने वाले बच्चों के पोषण पर भी विशेष ध्यान देने को कहा। मंत्री ने कहा कि केवल विकास पर्याप्त नहीं है, बल्कि विकास की प्रक्रिया को तेज करना भी जरूरी है।

बीटीसी सचिवालय के सभागार में कार्यकारी परिषद की बैठक

कोकराझाड़ (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) में सरकारी स्तर पर कैटल मार्केट (पशु हाट) शुरू होने के बाद वहां खरीदे-बेचे जाने वाले मवेशियों को लेकर अवैध कारोबार शुरू होने के आरोप सामने आए हैं। इस मुद्दे पर शनिवार को बीटीसी सचिवालय के सभागार में बीटीसी प्रमुख हग्रामा महिलारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यकारी परिषद की बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए हग्रामा महिलारी ने स्वयं पशु हाटों में अनियमितता की शिकायतों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि बीटीसी ने निर्धारित सरकारी नियमों के तहत कैटल मार्केट स्थापित करने की अनुमति दी थी और इसके बाद विभिन्न स्थानों पर पशु हाट संचालित किए जा रहे हैं। हालांकि, परबतझोरा और गोसाईगांव अनुमंडल के विभिन्न पशु हाटों में नियमों के उल्लंघन की शिकायतें मिल रही हैं। आरोप है कि बाहरी क्षेत्रों से लोग आकर इन हाटों में मवेशियों की खरीद-बिक्री कर रहे हैं। साथ ही, गोसाईगांव और परबतझोरा के पशु हाटों से मवेशियों को बांग्लादेश भेजे जाने के भी आरोप सामने आए हैं। हग्रामा महिलारी ने स्पष्ट कहा कि इस तरह की गतिविधियां तत्काल बंद होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नियमों का पालन नहीं किया गया तो संबंधित पशु हाटों को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीटीसी क्षेत्र के भीतर ही पशुओं की खरीद-बिक्री सीमित रखी जाएगी और इस संबंध में शनिवार को ही आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंगे। बीटीसी मुख्य द्वार से हटेंगे राजनीतिक-संगठनात्मक प्रतीक वहीं, बीटीसी कार्यकारी परिषद की बैठक में बीटीसी सचिवालय के मुख्य द्वार को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। हग्रामा महिलारी ने बताया कि मुख्य द्वार पर अब किसी राजनीतिक दल या संगठन का प्रतीक चिह्न नहीं लगाया जाएगा। मुख्य द्वार पर केवल बागुरुम्बा नृत्य और खाम वाद्य जैसे बोडो समाज की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाले प्रतीक प्रदर्शित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि पहले बीटीसी के मुख्य द्वार पर एबीएसयू का प्रतीक चिह्न मौजूद था। बाद में एबीएसयू के साथ बीएलटी और एनडीएफबी के प्रतीक चिह्न लगाए जाने की बात कही गई थी।

शिक्षक दिवस पर राज्यपाल ने वरिष्ठतम् सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक को किया सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। शिक्षक दिवस के अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शनिवार को राज्य के वरिष्ठतम सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक 95 वर्षीय प्रफुल्ल कुमार बरठाकुर को जामुगुड़ीहाट स्थित उनके आवास पर सम्मानित किया। यह सम्मान *गवर्नर असम वरिष्ठ शिक्षक सम्मान* पहल के तहत प्रदान किया गया। इस पहल के अंतर्गत राज्यपाल ने सभी जिला आयुक्तों को अपने-अपने जिलों के सबसे उम्रदराज सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक को शिक्षक दिवस पर सम्मानित करने का निर्देश दिया था। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य ने कहा कि शिक्षक पीढ़ियों के निर्माण और राष्ट्र के बौद्धिक एवं सामाजिक विकास में अमूल्य योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का सम्मान करना भारत की समृद्ध परंपरा और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। प्रफुल्ल कुमार बरठाकुर की लंबी शिक्षण यात्रा का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने कई पीढ़ियों को बदलते हुए देखा है और अपने विद्यार्थियों को दिए गए ज्ञान, मूल्यों और आत्मविश्वास के माध्यम से उनके जीवन पर स्थायी प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने कहा कि यही एक शिक्षक की सबसे बड़ी विरासत है। राज्यपाल ने कहा कि *विकसित भारत* के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने शिक्षकों से ज्ञानवान, जिम्मेदार, संवेदनशील और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक तैयार करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में बरठाकुर को प्रशस्ति-पत्र, फूलाम गमछा, शॉल, सोराई, जापी, फलों की टोकरी, छाता और 51, 000 रुपए का चेक प्रदान किया गया। राज्यभर में जिला और प्रारंभिक शिक्षा ब्लॉक स्तर पर भी इसी तरह के सम्मान समारोह आयोजित किए गए। जिला स्तर पर 35 वरिष्ठतम् सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षकों को उनके घर जाकर सम्मानित किया गया, जबकि प्रारंभिक शिक्षा ब्लॉक स्तर पर 113 सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। इस प्रकार राज्य में कुल 148 वरिष्ठतम् सेवानिवृत्त प्राथमिक एवं प्रारंभिक शिक्षा शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विभिन्न जिलों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने शिक्षकों के घर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया और शिक्षण समुदाय के प्रति राज्य के सम्मान एवं प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

बाक्सा में डीडीएमए ने तूफान-बाढ़ से हुए नुकसान का किया समीक्षा

मुसलापुर। बक्सा डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी की आज बक्सा डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर के ऑफिस के मीटिंग रूम में एक मीटिंग हुई। इसमें साल 2026-2024 के लिए तूफान और बाढ़ से हुए नुकसान के असेसमेंट और तैयारियों का रिव्यू किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर किमनेई चांगचन (आईएएस) ने की। एमएलए थानेश्वर बसुमतारी, एमएलए मानेश्वर ब्रह्म, एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और डीडीएमए के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मुस्तफा सलीम अहमद, डीडीएमए के डीपीओ काकुल कृष्ण शर्मा, अलग-अलग डिपार्टमेंट के हेड और सर्कल ऑफिसर मौजूद थे। एडिशनल डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर और डीडीएमए के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मुस्तफा सलीम अहमद ने मीटिंग में जिले के मौजूदा हालात के बारे में जानकारी दी। पानी के लेवल की रेगुलर मॉनिटरिंग जारी है और फायर और इमरजेंसी सर्विस के लोगों, सिविल डिफेंस और डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स समेत संबंधित डिपार्टमेंट इमरजेंसी रिस्पॉन्स के लिए तैयार हैं। कुरिसु डैम से पानी छोड़ने को लेकर भूटानी अधिकारियों के साथ भी कोऑर्डिनेशन बनाए रखा गया है। अभी जिले में कोई गंभीर स्थिति नहीं है और सभी संबंधित विभाग जरूरत के हिसाब से जवाब देने के लिए तैयार हैं। जिला कमिश्नर ने रोड्स (सड़कें), इरिगेशन, लैंड कंजर्वेशन और पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग (पीएचई) विभागों सहित विभिन्न विभागों द्वारा जमा किए गए कामों और योजनाओं की समीक्षा की और तूफान या बाढ़ के कारण पैदा होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए उनकी तैयारियों का जायजा लिया। मीटिंग में रेवेन्यू सर्कल लेवल टास्क फोर्स मीटिंग्स की स्थिति, विभागों द्वारा जमा किए गए प्रस्तावों और योजनाओं, रिस्क और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट रिपोर्ट, प्रस्तावित प्रोजेक्ट साइट्स और मॉडल रिलीफ कैंपों के रेगुलर इंस्पेक्शन की भी समीक्षा की गई। विभागों को सलाह दी जाती है कि वे जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संबंधित प्रस्ताव जमा करें। एमएलए थानेश्वर बसुमतारी ने विशेष रूप से कटाव की समस्याओं को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों का रेगुलर इंस्पेक्शन और रिव्यू करने की जरूरत पर जोर दिया और सभी संबंधित विभागों के बीच करीबी कोऑर्डिनेशन की मांग की। एमएलए मनेश्वर ब्रह्म ने किसी भी इमरजेंसी स्थिति में समय पर प्रतिक्रिया और तैयारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के बीच कोऑर्डिनेशन पर भी जोर दिया। सभी संबंधित डिपार्टमेंट को सतर्क रहने और पूरे जिले में आपदा की अच्छी तैयारी और जवाब पक्का करने के लिए करीबी तालमेल बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

रंगिया महिला मंडल ने श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में धूमधाम से मनाया नंदोत्सव

रंगिया (विभास)। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर रंगिया महिला मंडल द्वारा स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर परिसर में भव्य *नंदोत्सव* का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ किया गया। दोपहर तीन बजे से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में स्थानीय श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही। आयोजन के दौरान महिला मंडल की सदस्यों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं ने बाल-गोपाल (कान्हा) के प्राकट्य की खुशियाँ मनाते हुए भावपूर्ण भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए तथा विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत उपस्थित समस्त भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम को सुचारू एवं सफल बनाने में रंगिया महिला मंडल की सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

आंतरिक कलह से घिरी असम कांग्रेस जनता से कटती जा रही : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा, असम प्रदेश के प्रवक्ता मानस सरणिया ने असम कांग्रेस पर आंतरिक गुटबाजी, नेतृत्व संघर्ष और संगठनात्मक अव्यवस्था का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी लगातार जनता और अपने कार्यकर्ताओं से दूर होती जा रही है। सरणिया ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि कांग्रेस असम की मूलनिवासी जातियों, जनजातीय समुदायों और विभिन्न सामाजिक समूहों की आकांक्षाओं से कट चुकी है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के आंतरिक विवादों को नियंत्रित करने के लिए कांग्रेस हाईकमान को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो संगठन के भीतर अस्थिरता और अविश्वास को दर्शाता है। भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, जो विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में देखे जा रहे थे, अब पार्टी हाईकमान के पूर्ण विश्वास से वंचित होते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अल्गापुर-काटलीछेरा के विधायक एवं असम प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष जुबेर अनाम से जुड़े कथित विवाद में केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप को इसका संकेत बताया। सरणिया ने कहा कि लगातार गुटीय संघर्ष और सत्ता की खींचतान में उलझी कांग्रेस जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं को समझने में विफल रही है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि असम कांग्रेस राजनीतिक रूप से *आईसीयू* में पहुंच चुकी है।

सोनापुर में 1वीं बटालियन एसएसबी में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई

गुवाहाटी (हिंस)। 1वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर के मंदिर परिसर में शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन बटालियन के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर संदीक्षा की अध्यक्ष वैशाली कौशिक, संदीक्षा परिवार के सदस्य, अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी और बटालियन के जवान उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के जीवन और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला गया। उपस्थित लोगों ने उनके कर्तव्य, सत्य और धर्म के संदेश को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस दौरान मंदिर परिसर में पूरे समय आध्यात्मिक और उत्सवपूर्ण माहौल बना रहा।

रंगिया और होजाई में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

होजाई /रंगिया (निसं/रंगिया)। होजाई जिला प्रशासन और शिक्षक संगठनों की पहल तथा जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से आज होजाई स्थित श्रीमंत शंकरदेव नगर के सार्वजनिक प्रेक्षागृह में 65वां राष्ट्रीय शिक्षक दिवस दिनभर के कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में होजाई जिले के जिलाधिकारी श्री संजय दत्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और महान शिक्षाविद एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अपने मूल्यवान संबोधन में जिलाधिकारी ने उपस्थित शिक्षकों को पवित्र शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका और विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों को केवल ज्ञानदाता ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के जीवन का मार्गदर्शक और बेहतर नागरिक गढ़ने वाला मुख्य शिल्पकार बताया। समारोह में होजाई जिले के तीन सेवानिवृत्त शिक्षकों को असम के माननीय राज्यपाल द्वारा प्रदान किया जाने वाला *असम वरिष्ठ शिक्षक सम्मान* प्राप्त होने पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही जिले के विभिन्न विद्यालयों के 15 उत्कृष्ट शिक्षकों को *कृति शिक्षक पुरस्कार* (उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार) प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिक्षकों की निष्ठा, समर्पण और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान की पहचान के रूप में मिले इन सम्मानों ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण देते हुए विद्यालय निरीक्षक रंजन कुमार डेका ने शिक्षकों से निष्ठा, ईमानदारी और जवाबदेही के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों में नैतिक मूल्यों, नैतिकता, देशभक्ति और मानवीय गुणों के विकास पर जोर दिया। समारोह में आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित नगांव श्रीमंत शंकरदेव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं प्रसिद्ध शिक्षाविद श्री दीपकज्योति बरुवा ने शिक्षक दिवस के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और अपने विचारपूर्ण संबोधन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिक्षक दिवस के इस आयोजन ने न केवल शिक्षक समुदाय के प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया, बल्कि जिले के शिक्षा क्षेत्र को और अधिक मजबूत करने का एक सकारात्मक संदेश भी दिया। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार देशभर के साथ उदालगुड़ी जिले के खैराबाड़ी में भी 65वां शिक्षक दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। अग्रणी अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थानों में से एक, कैम्ब्रिज पब्लिक इंग्लिश स्कूल में कार्यक्रम की शुरुआत भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसके उपरांत विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां-जैसे गीत और नृत्य-पेश किए गए। समारोह के दौरान विद्यालय की वार्षिक दीवार पत्रिका का औपचारिक विमोचन खैराबाड़ी महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. कमल रॉय द्वारा किया गया। तत्पश्चात विद्यालय प्रशासन के तत्वावधान में एक खुली सभा आयोजित की गई, जिसका संचालन विद्यालय के प्राचार्य दुलाल रॉय ने किया। सभा में उदालगुड़ी जिला आसू के पूर्व अध्यक्ष अपूर्व कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस आयोजन में ओदालगुड़ी जिले के वरिष्ठ पत्रकार द्वीपेन डेका, सीमा सुरक्षा बल के सेवानिवृत्त उप-निरीक्षक लक्ष्मण चंद्र कछारी तथा वरिष्ठ पत्रकार चिंटू कलिता सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के विशेष सत्र में क्षेत्र के प्रतिभावान एवं उभरते युवा कलाकार लक्ष्मण देबनाथ को उनकी कलात्मक उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र तथा पारंपरिक *फूलाम गमछा* भेंट कर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, विद्यालय प्रशासन ने वर्ष 2026 की मैट्रिक एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को भी *फूलाम गमछा* देकर सम्मानित किया। उपस्थित अतिथियों व विद्यालय परिवार ने उम्मीद जताई कि इस प्रकार के सम्मान से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा और वे भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे।

संपादकीय

क्या मंशा है ट्रंप की?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है। यह आर्थिक नुकसान, अंततः, भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है। यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढ़ने और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों-पैट्रियट और थाड-की कमी 50-65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं। किसका तख्तापलट...चुनी हुई सरकार का अथवा खामेनेई और आईआरजीसी के नेतृत्व का...! नेतन्याहू ने ट्रंप को आश्वस्त किया है कि उन्होंने पूरे तंत्र को निर्देश दे दिए हैं कि ईरान में तख्तापलट करना है। दोनों नेताओं के सामने यह मकसद तब भी था, जब 28 फरवरी को उन्होंने ईरान पर हवाई हमलों की बौछार कर दी थी। वे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके 45-48 सिपहसालारों, कमांडरों की हत्याएं ही कर पाए। अलबत्ता ईरान में हुकूमत यथावत है और आज मुज्तबा खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ ईरानी अवाम को 'विद्रोह' के लिए भड़का रहे हैं, उन्हें हथियार मुहैया कराने का लालच भी दे रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ सिरिक क्षेत्र में एक शादी समारोह के घर पर हमला कर और उस दिन कुल 20 हत्याएं करा 'शैतानियत' पर उतारू लग रहे हैं। यह विशेषण ईरानी संसद के स्पीकर कालीबाफ ने इस्तेमाल किया है। अमरीकी सेना ने एक ही दिन में ईरान के करीब 100 ठिकानों पर हमले किए हैं। हमलों की धमकियां अब भी जारी हैं। ईरान भी पलटवार कर अमरीकी ठिकानों की तबाही कर रहा है। सवाल यह है कि आखिर ट्रंप की मंशा क्या है? उन्होंने दुनिया की अर्थव्यवस्था हिला कर रख दी है। देशों के तेल के रिजर्व भंडार खत्म हो रहे हैं। जब देश फिर तेल के भंडार भरने की कवायद करेंगे और मांग बढ़ेगी, तब कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक उछल सकते हैं। तब अमरीका भी क्या करेगा?

> खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है। यह आर्थिक नुकसान, अंततः, भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है। यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढ़ने और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

भारत के शहरों के बाढ़-प्रवण होने का पहला बड़ा कारण बदलते वर्षा पैटर्न हैं

शहरी बाढ़ः बारिश का संकट या नियोजन की विफलता

भारत के शहर हर मानसून में एक ही कहानी दोहराते दिखाई देते हैं—कुछ घंटों की तेज बारिश, सड़कों पर जमा पानी, जाम में फँसी गाड़ियाँ, डूबते अंडरपास, घरों और दुकानों में घुसता पानी और प्रशासन की ओर से राहत एवं निकासी की कवायद। दिल्ली-एनसीआर और गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित होते महानगरीय क्षेत्र इसका उदाहरण हैं। सवाल यह है कि क्या इन शहरों में बाढ़ केवल अत्यधिक बारिश का परिणाम है? जवाब है—नहीं। शहरी बाढ़ प्राकृतिक वर्षा और मानवीय अव्यवस्था के बीच पैदा हुआ संकट है। बदलते मौसम ने खतरा जरूर बढ़ाया है, लेकिन खराब शहरी नियोजन और कमजोर शासन व्यवस्था ने उसे आपदा में बदलने का काम किया है। शहरी बाढ़ उस स्थिति को कहा जाता है जब वर्षा का पानी शहर की जल निकासी, जमीन में पानी के रिसाव और प्राकृतिक अथवा कृत्रिम जल-संग्रहण क्षमता से अधिक हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी को खेतों, तालाबों और प्राकृतिक नालों के माध्यम से फैलने और जमीन में समाने की जगह मिल जाती है, लेकिन शहरों में बढ़ता कंक्रीटीकरण पानी के प्राकृतिक रास्ते बंद कर देता है। परिणामस्वरूप थोड़ी अवधि में हुई अत्यधिक बारिश भी व्यापक जलभराव पैदा कर देती है। भारत के शहरों के बाढ़-प्रवण होने का पहला बड़ा कारण बदलते वर्षा पैटर्न हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण कई क्षेत्रों में कम समय में बहुत अधिक बारिश होने की घटनाएँ बढ़ रही हैं। पुराने समय के औसत वर्षा आंकड़ों के आधार पर तैयार की गई जल निकासी प्रणालियाँ ऐसी तीव्र बारिश को संभालने में सक्षम नहीं हैं। दिल्ली-एनसीआर में तीव्र मानसूनी बारिश इसका उदाहरण है। समस्या केवल कुल वर्षा की मात्रा की नहीं, बल्कि बारिश के कम समय में अत्यधिक केंद्रित हो जाने की भी है। दूसरा बड़ा कारण तेजी से बढ़ता कंक्रीटीकरण है। गुरुग्राम जैसे शहरों में पिछले कुछ दशकों में आवासीय कॉलोनियों, ऊँची इमारतों, व्यावसायिक परिसरों और सड़कों का तेजी से विस्तार हुआ है। पहले जो जमीन बारिश के पानी को सोखती थी, वह अब सीमेंट और डामर से ढकी है। इससे भूजल पुनर्भरण घटता है और सतही बहाव बढ़ जाता है। जब बड़ी मात्रा में पानी एक साथ सड़कों और नालियों की ओर आता है, तो जल निकासी तंत्र जल्दी ही जवाब दे देता है। प्राकृतिक नालों और जल-मार्गों पर अतिक्रमण भी शहरी बाढ़ को गंभीर बनाता है। शहरों का विकास अक्सर इस तथ्य को नजरअंदाज कर देता है कि हर जलधारा का अपना प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र होता है। नालों को संकरा करना, उन्हें ढक देना या उनके किनारे निर्माण करना पानी के बहाव में बाधा डालता है। इसी तरह तालाबों, झीलों और आर्द्रभूमियों का खत्म होना शहरों से प्राकृतिक जल-संग्रहण क्षेत्र छीन लेता है। दिल्ली-एनसीआर में आर्द्रभूमियों और जल निकायों का क्षरण इसी समस्या की ओर संकेत करता है। कमजोर और असंगठित स्टॉर्म-वॉटर ड्रेनेज व्यवस्था समस्या को और बढ़ाती है। अनेक शहरों में नालियों की क्षमता स्थानीय जरूरतों और वर्तमान वर्षा परिस्थितियों के अनुरूप नहीं बढ़ाई गई है। कई स्थानों पर सीवर और वर्षा जल निकासी की प्रणालियाँ आपस में जुड़ी हुई हैं, जिससे भारी बारिश के दौरान दोनों व्यवस्थाएँ प्रभावित होती हैं। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक और अन्य ठोस कचरा नालियों को अवरुद्ध कर देता है। यानी बारिश जितनी बड़ी समस्या है, उतनी ही बड़ी समस्या वह कचरा भी है जिसे हम स्वयं जल निकासी तंत्र में पहुँचा देते हैं। इसलिए शहरी बाढ़ को केवल प्राकृतिक आपदा मानना उचित नहीं है। यह शासन की विफलता भी है। शहरों में सड़क, भवन निर्माण, जल निकासी, भूमि उपयोग, पर्यावरण और आपदा प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ अक्सर अलग-अलग एजेंसियों में बँटी होती हैं। जब किसी क्षेत्र में जलभराव होता है तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। समन्वय के अभाव में एक विभाग सड़क बनाता है, दूसरा नाला बनाता है और तीसरा भूमि उपयोग की अनुमति देता है, लेकिन पूरे जलग्रहण क्षेत्र को एक इकाई मानकर योजना नहीं बनाई जाती। शहरों के मास्टर प्लान में भी बाढ़ जोखिम और जलग्रहण क्षेत्रों को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता। निचले इलाकों, बाढ़ के प्राकृतिक मैदानों और जल निकायों के आसपास निर्माण को नियंत्रित करने के नियम मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाता। अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण धीरे-धीरे प्राकृतिक जल मार्गों को खत्म करते जाते हैं। आपदा आने के बाद राहत और बचाव पर जोर देने के बजाय आपदा से पहले जोखिम कम करना प्राथमिकता होनी चाहिए। जलवायु-लचीले शहरों के निर्माण के लिए सबसे पहले शहर को केवल इमारतों और सड़कों का समूह नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक जलग्रहण क्षेत्र मानना होगा। इसके लिए 'स्पंज सिटी' की अवधारणा उपयोगी हो सकती है। इसका उद्देश्य बारिश के पानी को तेजी से बाहर निकालने के बजाय उसे शहर के भीतर रोकना, सोखना और पुनः उपयोग करना है। पार्किंग क्षेत्रों, फुटपाथों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर पारगम्य सतहें, वर्षा उद्यान, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और स्थानीय जल-संग्रहण संरचनाएँ विकसित की जा सकती हैं। इसी के साथ 'ब्लू-ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर' को शहरी नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। तालाब, झीलें, आर्द्रभूमियाँ, नदियाँ, नाले, शहरी वन और हरित क्षेत्र केवल सौंदर्य के साधन नहीं हैं; वे शहर की प्राकृतिक बाढ़-रोधी प्रणाली हैं। इनके संरक्षण और पुनर्जीवन से पानी को रोकने, जमीन में उतारने और तापमान नियंत्रित करने में मदद मिलती है। भविष्य की जलवायु परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए स्टॉर्म-वॉटर ड्रेनेज की डिजाइन क्षमता भी बदलनी होगी। पुराने वर्षा आंकड़ों पर निर्भर रहने के बजाय अद्यतन जलवायु मॉडल और चरम वर्षा अनुमानों को योजना में शामिल करना आवश्यक है। GIS आधारित बाढ़-जोखिम मानचित्र तैयार करके यह निर्धारित किया जा सकता है कि किन क्षेत्रों में निर्माण सीमित होना चाहिए और कहाँ अतिरिक्त जल-संग्रहण क्षमता विकसित करने की जरूरत है। स्थानीय निकायों को वित्तीय संसाधन, तकनीकी विशेषज्ञता और निर्णय लेने की पर्याप्त शक्ति देना भी जरूरी है। प्रत्येक शहर के लिए व्यापक Urban Flood Risk Management Plan तैयार होना चाहिए, जिसमें जल निकासी, भूमि उपयोग, जल निकायों, कचरा प्रबंधन और आपदा प्रबंधन को एकीकृत किया जाए। नगर निकायों और संबंधित एजेंसियों के बीच स्पष्ट जवाबदेही तय होनी चाहिए। अंततः, अत्यधिक बारिश को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसे शहरी आपदा बनने से काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके लिए मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान को शहरी नियोजन से जोड़ना होगा। प्राकृतिक जल निकायों को बचाना होगा, कंक्रीटीकरण को संतुलित करना होगा और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत करनी होगी। शहरों को केवल बारिश के बाद पानी निकालने वाले नहीं, बल्कि बारिश के पानी को समझदारी से संभालने वाले शहर बनाना होगा।

> दिल्ली-एनसीआर और गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित होते महानगरीय क्षेत्र इसका उदाहरण हैं। सवाल यह है कि क्या इन शहरों में बाढ़ केवल अत्यधिक बारिश का परिणाम है? जवाब है—नहीं। शहरी बाढ़ प्राकृतिक वर्षा और मानवीय अव्यवस्था के बीच पैदा हुआ संकट है। बदलते मौसम ने खतरा जरूर बढ़ाया है, लेकिन खराब शहरी नियोजन और कमजोर शासन व्यवस्था ने उसे आपदा में बदलने का काम किया है। शहरी बाढ़ उस स्थिति को कहा जाता है जब वर्षा का पानी शहर की जल निकासी, जमीन में पानी के रिसाव और प्राकृतिक अथवा कृत्रिम जल-संग्रहण क्षमता से अधिक हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी को खेतों, तालाबों और प्राकृतिक नालों के माध्यम से फैलने और जमीन में समाने की जगह मिल जाती है, लेकिन शहरों में बढ़ता कंक्रीटीकरण पानी के प्राकृतिक रास्ते बंद कर देता है।

देश दुनीया से

जीडीपी से नहीं, जमीन पर नजर आए बदलाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से भारत की तरक्की का जश्न मनाने के लिए कहते हुए 7.8 फीसदी की शानदार जीडीपी ग्रोथ के लिए बधाई दी। सवाल यह है कि क्या आम आदमी देश में जीडीपी ग्रोथ को समझता है। क्या जीडीपी बढ़ना देश की मौजूदा समस्याओं के समाधान का कोई पैमाना है। देश में जब प्रधानमंत्री जीडीपी बढ़ोतरी की घोषणा कर रहे थे, उसी दिन कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपए, मुंबई में 2701 रुपए और चेन्नई में 2916.50 रुपए हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा होना तय है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपए बढ़कर 764 रुपए हो गया है। मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपए से बढ़कर 102 रुपए प्रति लीटर हो गई है। भारत में जुलाई-अगस्त 2026 के दौरान खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.52 प्रतिशत हो गई है, जिसके कारण चीनी, प्याज, टमाटर, दाल और खाना पकाने के तेल जैसी जरूरी रसोई की चीजें महंगी हो गई हैं। चावल और दूध के दाम भी स्थिर से लेकर उच्च स्तर पर बने हुए हैं। महंगाई बढ़ने के कारण प्याज (22.54 फीसदी), लहसुन (35.36 फीसदी) और अदरक (83.62 फीसदी) की कीमतों में भारी तेजी आई है। ईंधन और परिवहन महंगाई बढ़कर 4.43 फीसदी हो गई है, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ी है। रेस्त्रां और आवास सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.72 फीसदी हो गई है। देश के आम आदमी को हर दिन होने वाली कठिनाइयों से जूझना पड़ रहा है। देश का मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को जीडीपी की ग्रोथ से अंतर तब पड़ता है, जब उनकी बुनियादी सुविधाओं में कोई बेहतरी नजर आए। देश में पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, सडक, रोजगार, महंगाई जैसी बुनियादी समस्याओं की भरमार है। इनसे राहत मिलती भी है तो ऊंट के मुंह में जीरे जितनी। इससे बदलाव नजर नहीं आता। भारत की आधी से अधिक आबादी यानी करीब 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। देश के भूजल का बड़ा हिस्सा आर्सेनिक, फ्लोराइड और अन्य भारी धातुओं (हैवी मेटल्स) की वजह से दूषित हो चुका है। बारिश का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उचित हार्वेस्टिंग (संचयन) न होने के कारण पानी बेकार बह जाता है। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, साफ पीने का पानी न मिलने के कारण हर साल देश में करीब 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2026 में भीषण गर्मी, रिकॉर्ड बिजली मांग (मई 2026 में 270 गीगावाट से अधिक) और स्थानीय रखरखाव के कारण उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, ओडिशा और तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों के इलाकों में आंशिक या अस्थायी कटौती की गई। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बेघरता की दर प्रति 10000 लोगों पर 13 है। अर्थात 17 प्रतिशत लोगों के पास अपना घर नहीं है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 35 प्रतिशत गांवों में स्थानीय स्तर पर कोई भी बुनियादी चिकित्सा सुविधा या स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और सर्जनों की भारी कमी है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक खाली पड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों (2014-15 से 2024-25) में देश भर में करीब 94000 सरकारी स्कूल बंद या आपस में मर्ज किए गए हैं। इसका मतलब है कि औसतन हर दिन 25 स्कूलों पर ताला लगा है। इसी दशक में सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों का नामांकन 2.26 करोड़ कम हुआ है, जो 2014-15 के 26.95 करोड़ से घटकर 2024-25 में 24.69 करोड़ रह गया है। देश के एक लाख से अधिक स्कूलों में आज भी बिजली की उचित सुविधा नहीं है, और कई स्थानों पर पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। 71959 स्कूलों में लड़कियों के लिए और 1.12 लाख स्कूलों में लडकों के लिए काम करने वाले शौचालय मौजूद नहीं हैं। 1.39 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी और 2.65 लाख स्कूलों में खेल का मैदान नहीं है। डिजिटल लाइब्रेरी का अभाव तो लगभग 13.62 लाख स्कूलों में है। भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोजगारी दर जून 2026 में बढ़कर 16.2 फीसदी हो गई है। 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में यह दर बढ़कर 20.7 फीसदी हो गई। इसी आयु वर्ग के पुरुषों में यह दर 14.6 फीसदी दर्ज की गई। जून 2026 में शहरी युवा बेरोजगारी दर 18.2 फीसदी और ग्रामीण युवा बेरोजगारी दर 15.1 फीसदी रही। नीति आयोग की बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक गरीबी वाले राज्य बिहार में 51.91 फीसदी आबादी गरीब है। झारखंड में 42.16 फीसदी लोग गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 37.79 फीसदी जनसंख्या गरीब है। मध्य प्रदेश में 36.65 फीसदी लोग गरीब हैं। भारत में सबसे अमीर 10 फीसदी लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65 फीसदी हिस्सा है। सबसे ज्यादा कमाई करने वाले 10 फीसदी लोग राष्ट्रीय आय का 58 फीसदी हिस्सा पाते हैं, जबकि सबसे निचले 50 फीसदी लोगों को सिर्फ 15 फीसदी मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें, पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी। सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी युवाओं को रोजगार देना होगा।

आप का नजरीया

बचाने वाला न्याय

जब भी कोई बच्चा किसी अपराध में संलिप्त पाया जाता है तो यह समाज में गंभीर विमर्श होता है कि दंड सजा देने वाला हो या सुधारकारी। निश्चित तौर पर कोई भी बच्चा जन्म से अपराधी नहीं होता। उसकी पारिवारिक माली हालत, परिवार व पड़ोस का माहौल और परिस्थितिजन्य हालात उसे अपराध की अंधी गलियों में धकेल देते हैं। सही मायने में कोई भी बच्चा जब आपराधिक न्याय प्रणाली के दायरे में आता है तो वह वह हमारे समाज की उन तमाम नाकामियों का नतीजा होता है, जिसकी शुरुआत पहले ही हो चुकी होती है। उसका सामाजिक परिवेश और परिवार की आर्थिक मजबूरियां भी उसके कारणों में शामिल होती हैं। इसी आलोक में देश की शीर्ष अदालत की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि गरीबी, असमानता, अशिक्षा और सामाजिक भेदभाव बच्चों में अपराध की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे सकते हैं। दूसरे शब्दों में सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी हमें याद दिलाती है कि अपराध के साथ-साथ उन हालात को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, जिनमें वह अपराध हुआ है। निस्संदेह, यह सर्वमान्य सत्य नहीं हो सकता कि गरीबी ही हर बच्चे को अपराधी बनाती है। लेकिन किशोरों के अपराध-उन्मुख होने की एक बड़ी वजह आर्थिक विपन्नता जरूर है। दरअसल, परिवार की आर्थिक बदहाली बच्चे को नियमित स्कूल जाने से रोकती है। इसके अलावा परिवार में कलह, परिवार के मुखिया का नशीले पदार्थों का आदी होना, बच्चे की कुसंगति, साथियों का दबाव और सामाजिक भेदभाव जैसी चीजों का सामूहिक प्रभाव ऐसी स्थितियां पैदा कर सकता है, जो कुछ बच्चों को अपराध की अंधी गलियों में धकेल सकता है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि राज्य इन जोखिमों का समाधान सिर्फ तब नहीं कर सकता है जबकि बच्चा पुलिस स्टेशन या जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड यानी किशोर न्याय बोर्ड तक पहुंच जाए। इस स्थिति में बचाव की गुंजाइश कम ही बचती है। देश की शीर्ष अदालत की यह चिंता कि किशोर न्याय अधिनियम के सुरक्षात्मक प्रावधान सभी जरूरतमंद बच्चों तक नहीं पहुंच पाए हैं, इस कानून को लागू करने में व्याप्त गंभीर कमी को ही उजागर करती है। सही मायने में किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत कानून बदले की भावना पर नहीं, बल्कि बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और अच्छा नागरिक बनाकर समाज में फिर से शामिल करने की सोच पर आधारित रहा है। इसके अलावा बच्चे न्यायिक व्यवस्था के ऐसे कुचक्र में फंस सकते हैं, जहां इसके क्रियान्वयन से जुड़े लोग शायद उनकी कम उम्र को गंभीरता से न लें या फिर बच्चों को दी जाने वाली सुरक्षा की संवेदनशीलता को पूरी तरह से न समझ पाएं। सही मायने में इस जटिल समस्या का समाधान किशोर न्याय व्यवस्था को अपराध को न होने देने की सोच पर केंद्रित बनाने से संभव हो सकता है। दरअसल, स्कूल छोड़ने वाले बच्चे, बाल मजदूरी से मुक्त कराये गए बच्चे, नशीले पदार्थों के सेवन से बचाये गए बच्चे जब कल्याणकारी संस्थाओं के संपर्क में बार-बार आते हैं तो उन स्थितियों में प्रशिक्षित सोशल वर्कर, काउंसलर और बाल संरक्षण अधिकारियों को सकारात्मक व सुधारकारी भूमिका निभानी चाहिए। हकीकत में किशोर न्याय बोर्ड को पर्याप्त पेशेवर मदद की जरूरत है। दरअसल, ऐसे बच्चों की संस्थागत देखभाल खत्म होने के बाद भी बच्चों के पुनर्वास के कार्य को निरंतर जारी रखने की जरूरत होनी चाहिए। हकीकत यह है कि बदलते हालात में यह चुनौती एक नया रूप लेती दिख रही है। जिसकी ओर पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी ध्यान दिलाते हुए कहा कि आज के बच्चे बहुत कम उम्र में तकनीक और सोशल मीडिया के जरिये जटिल जानकारी, ग्राफिक कंटेंट और वयस्कों वाले अनुभवों के संपर्क में आ रहे हैं।

> सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी हमें याद दिलाती है कि अपराध के साथ-साथ उन हालात को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए, जिनमें वह अपराध हुआ है। निस्संदेह, यह सर्वमान्य सत्य नहीं हो सकता कि गरीबी ही हर बच्चे को अपराधी बनाती है। लेकिन किशोरों के अपराध-उन्मुख होने की एक बड़ी वजह आर्थिक विपन्नता जरूर है। दरअसल, परिवार की आर्थिक बदहाली बच्चे को नियमित स्कूल जाने से रोकती है। इसके अलावा परिवार में कलह, परिवार के मुखिया का नशीले पदार्थों का आदी होना, बच्चे की कुसंगति, साथियों का दबाव और सामाजिक भेदभाव जैसी चीजों का सामूहिक प्रभाव ऐसी स्थितियां पैदा कर सकता है, जो कुछ बच्चों को अपराध की अंधी गलियों में धकेल सकता है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि राज्य इन जोखिमों का समाधान सिर्फ तब नहीं कर सकता है जबकि बच्चा पुलिस स्टेशन या जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड यानी किशोर न्याय बोर्ड तक पहुंच जाए। इस स्थिति में बचाव की गुंजाइश कम ही बचती है। देश की शीर्ष अदालत की यह चिंता कि किशोर न्याय अधिनियम के सुरक्षात्मक प्रावधान सभी जरूरतमंद बच्चों तक नहीं पहुंच पाए हैं, इस कानून को लागू करने में व्याप्त गंभीर कमी को ही उजागर करती है। सही मायने में किशोर न्याय अधिनियम के अंतर्गत कानून बदले की भावना पर नहीं, बल्कि बच्चों की देखभाल, सुरक्षा, पुनर्वास और अच्छा नागरिक बनाकर समाज में फिर से शामिल करने की सोच पर आधारित रहा है। इसके अलावा बच्चे न्यायिक व्यवस्था के ऐसे कुचक्र में फंस सकते हैं, जहां इसके क्रियान्वयन से जुड़े लोग शायद उनकी कम उम्र को गंभीरता से न लें या फिर बच्चों को दी जाने वाली सुरक्षा की संवेदनशीलता को पूरी तरह से न समझ पाएं।

कुछ अलग

मैं अभी सर्वे कर रहा हूं...

देखिए मैं अभी सर्वे कर रहा हूं। मेरा सर्वे किसी भी एक विषय पर नहीं है बल्कि बहुआयामी है। एक सर्वे तो मैं पिछले 30 सालों से कर रहा हूं और अभी कुछ और विषय भी सर्वे में जोड़ दिए हैं। इस सर्वे में हर उम्र के लोगों और हर विचारधारा का ख्याल रखा गया है। अब आप पूछ सकते हैं कि एक साथ इतने सर्वे कैसे किए जा सकते हैं? क्या कोई एजेंसी किराए पर ली है? नहीं, मैंने किसी एजेंसी की सेवाएं नहीं लीं हैं क्योंकि मेरे पास इतना पैसा ही नहीं है कि मैं किसी एजेंसी को सर्वे के लिए दे सकूं। मैं खुद सर्वे कर रहा हूं क्योंकि मैं वन मैन आर्मी हूं। पहला सर्वे जो मैंने अपनी जिंदगी में 30 साल पहले शादी के बाद ही करना शुरू कर दिया था और सर्वे का विषय था- पत्नी को कैसे समझा जाए? पिछले 30 सालों से यह सर्वे लगातार चल रहा है और शायद यह अभी कुछ और साल चलेगा। इसलिए इस सर्वे की रिपोर्ट का आपको इंतजार करना पड़ेगा।

दृष्टि कोण

पेशेवर जरूरतों के अनुरूप हों शिक्षक की जिम्मेदारियां

नयी पीढ़ी को शिक्षा व मार्गदर्शन देकर राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला शिक्षक आज व्यवस्था का मोहरा बनकर रह गया है। उसे ऐसे कार्य सौंपे जा रहे हैं, जो उसके मूल दायित्वों और भूमिका से मेल नहीं खाते हैं। एक तरफ जहां बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में अध्यापक की भूमिका लगातार अधिक चुनौतीपूर्ण होती गई, दूसरी ओर अध्यापन संबंधी कार्यों से हटाकर उसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा दिया गया। इससे शिक्षक की छवि को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं। भारतीय समाज में अध्यापक को गुरु का दर्जा दिया जाता है। लेकिन आज की वास्तविक परिस्थितियों के साथ यह सम्मान मेल नहीं खाता है। धरातल पर आकलन किया जाए तो अध्यापक का दायित्व केवल कोर्स पूरा करवाना नहीं है। वह बच्चों को परीक्षा की वैतरणी पार करवाने वाला एजेंट मात्र भी नहीं है। दरअसल, अपने विषय और उसकी विषय-वस्तु के जानकार से आगे बढ़कर वह बालमन के हर पहलू का विशेषज्ञ होता है। बच्चों के मन-मस्तिष्क में उठने वाली उथल-पुथल को समझने के लिए अपनी पेशेगत दक्षताओं का प्रयोग करता है। बच्चों के ज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ भावनात्मक, नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शारीरिक विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। वह अपनी भूमिका पर खरा उतरे ऐसा वातावरण तैयार करने में सरकारी व्यवस्था का अहम रोल है। यानी इसमें सरकारी नीतियों, शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन और सुविधाओं की अहम भूमिका होती है। सरकारी स्कूलों की बात करें तो भले ही अध्यापकों की भूमिका विद्यार्थियों में पढ़ने की गतिविधियां संचालित करने वाले दक्षतम व्यक्ति की हो लेकिन इससे कहीं ज्यादा उसे शिक्षा के अलावा कई कार्यों को पूरा करवाने वाले सहज उपलब्ध पेशेवर की तरह देखा जा रहा है। मसलन, विभिन्न विभागों के सर्वेक्षण, वोट बनवाने, एसआईआर, जनगणना कार्यों, ऑनलाइन पोर्टलों पर विद्यार्थियों का डाटा अपलोड करने और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए दस्तावेज तैयार करने और सत्यापन आदि कार्यों के लिए अध्यापकों को ही लगाया जाता है। वहीं स्कूल में मिड-डे-मील योजना के लिए सिलेंडर, सब्जियां व अन्य सामग्री खरीदने के साथ-साथ सप्लाई किए गए सामान का रखरखाव, उसके उपयोग का हिसाब-किताब रखना और विभिन्न प्रकार के रजिस्टर तैयार करना अध्यापकों की जिम्मेदारी है। अध्यापक ही हरेक बच्चे के विभिन्न मदों व फंडों के अनुसार शुल्क प्राप्त करते हैं और उन्हें जमा करवाते हैं। गैर-शैक्षणिक कार्यों में अध्यापकों की ऊर्जा को लगाने के लिए हमारी सरकारी व्यवस्था ही जिम्मेदार है। इससे अध्यापक की पेशेवर दक्षताओं का तो ह्रास हो ही रहा है, साथ ही उसे विभिन्न प्रकार के तनावों से गुजरना पड़ रहा है। मसलन, एसआईआर की प्रक्रिया में लगे अध्यापकों को कई तरह के मानसिक तनावों से गुजरने की बातें सामने आयीं। जाहिर है, बच्चों की शिक्षा पर भी इसका प्रभाव पड़ा होगा। हालांकि इस पर विस्तृत अध्ययन की जरूरत है। दरअसल, अध्यापक को जब उसके असल काम से हटाकर दूसरे कामों में लगा दिया जाता है, तो यह एक तरह से किसी अन्याय से कम नहीं है। बहुत से अध्यापकों का इस तरह के अहसास से गुजरना आम बात है। हमारी व्यवस्था अनेकानेक गैर-शैक्षणिक कार्यों के बोझ में दबाकर अध्यापकों से उनके अहसास को भी छीनने में लगी हुई है। अतिथि अध्यापक, अनुबंध अध्यापक, एचकेआरएन के तहत लगे अध्यापकों और एनएसक्यूएफ के अध्यापकों के वेतन व सुविधाओं में जमीन-आसमान का अंतर है।

जातिगत जनगणना में जाति-वर्ग के अलग कॉलम हों : देवेंद्र यादव

जयपुर (हिंस)। जातिगत जनगणना में जाति और वर्ग की स्पष्ट एवं एकरूप जानकारी दर्ज किए जाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में आयोजित एआईसीसी की विशेष प्रेस वार्ता में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि डिजिटल तरीके से होने वाली जनगणना में जाति और वर्ग की जानकारी दर्ज करने के लिए अलग-अलग कॉलम और ड्रॉपडाउन मेन्यू की व्यवस्था की जानी चाहिए। यादव ने कहा कि जातिगत जनगणना की मांग को कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार सड़क से संसद तक उठाते रहे हैं। उनके अनुसार, सरकारी योजनाओं और संसाधनों का लाभ समाज के वंचित वर्गों तक पहुंचाने के लिए वास्तविक जातिगत आंकड़े जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने की घोषणा तो की, लेकिन इसकी प्रक्रिया को लेकर शुरू से ही आशंकाएं बनी हुई हैं।

बिहार में बाढ़ का कहर, 11 जिलों के 10.26 लाख लोग प्रभावित, राहत-बचाव कार्य तेज

पटना (हिंस)। बिहार में नदियों के बढ़े जलस्तर और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह अलर्ट है। प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाए जा रहे हैं। राज्य के 11 जिलों पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अरवल के 50 प्रखंडों की 201 पंचायतों में करीब 10.26 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बाढ़ प्रभावित लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 50 चिकित्सा शिविर, 19 वोट एंबुलेंस और 36 पशु चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। विस्थापित और प्रभावित लोगों के आवागमन तथा सुरक्षित निकासी के लिए 858 नावों का परिचालन कराया जा रहा है। वहीं, प्रभावित परिवारों के बीच अब तक

12 हजार से अधिक पॉलीथीन शीट और करीब 2, 300 ड्राई राशन पैकेट वितरित किए जा चुके हैं। बाढ़ प्रभावित लोगों को दोनों समय गर्म भोजन उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न जिलों में 38 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक करीब 1.21 लाख लोगों को भोजन कराया जा चुका है। इसके अलावा वैशाली जिले में एक राहत शिविर चलाया जा रहा है, जहां करीब 326 बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा समेत अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। संभावित खतरों से निपटने और त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए राज्य के विभिन्न प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की सात और एसडीआरएफ की 27 टीमें, यानी कुल 34 टीमें तैनात की गई हैं। प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है। पटना के गांधीघाट में गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर, बंका घाट में 49.45 मीटर और पंडारक में 43.79 मीटर दर्ज किया गया है। इन स्थानों पर गंगा का जलस्तर सर्वोच्च बाढ़ स्तर (एचएफएल) से ऊपर बह रहा है। इसके अलावा गंडक, कोसी, बूढ़ी गंडक, पुनपुन और घाघरा नदियां भी विभिन्न स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर हैं। सारण जिले में माही नदी के त्रिलोकचक के पास करीब 20 मीटर तटबंध क्षतिग्रस्त हुआ है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर एसडीआरएफ की टीम भेजी गई है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, वाल्मीकिनगर बराज पर गंडक नदी का जलस्राव 1.26 लाख क्यूसेक, बीरपुर बराज पर कोसी नदी का जलस्राव 1.77 लाख क्यूसेक और इन्द्रपुरी बराज पर सोन नदी का जलस्राव 3.07 लाख क्यूसेक दर्ज किया गया है। बिहार मौसम सेवा केंद्र ने अगले दो दिनों में राज्य के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना जताई है। इसे देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने पूरे राज्य में बाढ़ की स्थिति पर लगातार और सूक्ष्म निगरानी बनाए रखी है। पटना में बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए शहर के सभी 56 डीपीएस चालू रखे गए हैं। इसके अलावा पटना नगर निगम के छह अंचलों में 94 अतिरिक्त पंप, जिनकी क्षमता 7.5 एचपी से 83 एचपी तक है, जलनिकासी के लिए लगाए गए हैं। शहर में जलनिकासी पर दबाव कम करने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा पटना और दानापुर कैनाल में डिस्चार्ज बंद करने की प्रक्रिया की जा रही है। वहीं, गंगा से नालों में बैकफ्लो रोकने के लिए 13 छोटे नालों के स्लूस गेट बंद कर दिए गए हैं।

दो पक्षों के विवाद के दौरान कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सिरसा को लगी गोली, हालत गंभीर

अमृतसर (हिंस)। अजनाला क्षेत्र में देर रात दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान बीचबचाव करने पहुंचे कांग्रेस नेता गुरदीप सिंह सिरसा गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पहले सिविल अस्पताल अजनाला ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अमृतसर रेफर कर दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना अजनाला के नजदीक गांव जगदेव खुर्द के आसपास हुई। बताया जा रहा है कि देर रात किसी बात को लेकर दो पक्षों में कहासुनी शुरू हुई, जो बाद में विवाद में बदल गई। इसी दौरान गुरदीप सिंह सिरसा मामले को शांत करवाने के लिए मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि तभी दूसरे पक्ष की ओर से गोली चला दी गई, जो उन्हें लगी। घटना की सूचना मिलते ही थाना अजनाला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस विवाद में शामिल दोनों पक्षों की पहचान और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है। थाना अजनाला के एसएचओ अजयपाल सिंह के अनुसार, घायल गुरदीप सिंह सिरसा का फिलहाल इलाज चल रहा है। उनकी हालत में सुधार होने के बाद पुलिस उनके बयान दर्ज करेगी। बयान और मौके से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नशा विरोधी वेलनेस वॉकथॉन को राज्यपाल ने दिखाई हरी झंडी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने शनिवार को सुखना लेक से एंटी-ड्रग एंड वेलनेस वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने लोगों से नशे के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय भागीदारी करने और नशामुक्त भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की। मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पंजाब और चंडीगढ़ गुरुओं तथा वीरों की धरती है और यहां के लोगों में हर बुराई के खिलाफ लड़ने की परंपरा रही है। पंजाब के देश की रक्षा और सुरक्षा में योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश ने स्वतंत्रता से पहले से लेकर अब तक देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अनेक बलिदान दिए हैं। उन्होंने क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों की आमद पर चिंता जताते हुए कहा कि ऐसे नेटवर्क स्थानीय स्तर पर सहयोग के बिना नहीं चल सकते। राज्यपाल ने कहा कि यह चिंताजनक है कि कुछ लोग नशे के कारोबार को कमाई का जरिया बना रहे हैं, जबकि इसका सीधा असर आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर पड़ता है। उन्होंने ऐसे लोगों से इस रास्ते को छोड़ने और समाज के हित में काम करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान चंडीगढ़ और देश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इनमें एशियन बॉक्सिंग अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता गुरसीरत कौर, कॉमनवेल्थ फेंसिंग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता यशकीरत कौर हेयर, आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में रजत पदक जीतने वाली पिस्टल शूटर संयम विज और एशियन जूनियर चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता जूडो खिलाड़ी एंजेल यादव शामिल रहीं।

निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की कोर कमेटी की बैठक में बूथ से मीडिया रणनीति तक मंथन

जयपुर (हिंस)। आगामी नगर निकाय चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा जयपुर शहर जिला कार्यालय में कोर कमेटी की बैठक हुई। बैठक में चुनावी तैयारियों, संगठनात्मक मजबूती, वार्ड एवं बूथ स्तर के प्रबंधन, जनसंपर्क और मीडिया-सोशल मीडिया रणनीति को लेकर मंथन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने कहा कि भाजपा सामाजिक सरोकार और *राष्ट्र प्रथम* के भाव के साथ कार्य करने वाला राजनीतिक दल है। निकाय चुनाव में सरकार के विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों को जनता तक पहुंचाना और उनका आशीर्वाद प्राप्त करना लक्ष्य है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी प्रतिबद्धता के साथ जुटना होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की अपनी विशिष्ट कार्यपद्धति है। *पूर्व योजना और पूर्ण योजना, हर कार्यकर्ता को काम और हर काम के लिए कार्यकर्ता* के सिद्धांत पर संगठन सभी की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्य को परिणाम तक पहुंचाता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपनी भूमिका और जिम्मेदारी को समझकर उसका प्रभावी ढंग से निर्वहन करने का आह्वान किया। संतोष ने कहा कि संगठन की शक्ति और कार्यकर्ताओं के समर्पण के बल पर राजस्थान के शहरों में *ट्रिपल इंजन* की सरकार बनाकर विकास की गति को आगे बढ़ाना है। बैठक में मीडिया, सोशल मीडिया और जमीनी जनसंपर्क के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने तथा स्थानीय मुद्दों पर तथ्यात्मक एवं प्रभावी संवाद के लिए सुनियोजित रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बूथ प्रबंधन, व्यापक जनसंपर्क और मजबूत मीडिया एवं सोशल मीडिया रणनीति के साथ चुनावी मैदान में उतरने पर जोर दिया गया।

पुरानी पेंशन पर हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने की तैयारी में हरियाणा सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से 95 कर्मचारियों को मिली पुरानी पेंशन और पेंशन लाभ की राहत पर हरियाणा सरकार ने अपील का रास्ता चुना है। एडवोकेट जनरल की राय के बाद वित्त विभाग ने संबंधित प्रशासनिक विभागों को हाईकोर्ट के 9 जुलाई के फैसले के खिलाफ लेटर्स पेटेंट अपील (एलपीए) दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। विभागों को 10 दिन में कार्रवाई पूरी करने को कहा गया है। हाईकोर्ट ने ओमप्रकाश बनाम हरियाणा सरकार मामले के साथ जुड़े 94 अन्य मामलों का निपटारा करते हुए कर्मचारियों को दो अलग-अलग श्रेणियों में राहत दी थी। सरकार अब इसी फैसले को चुनौती देने की तैयारी में है। पहली श्रेणी में वे कर्मचारी हैं, जिन्हें पहली जनवरी, 2006 से पहले पार्ट टाइम, अस्थायी या अनुबंध आधार पर नियुक्त किया गया और बाद में नियमित किया गया। हाईकोर्ट ने नियमितीकरण से पहले की ऐसी सेवा को पेंशन के लिए क्वालिफाइंग सर्विस मानने का आदेश दिया था। अदालत ने इसी आधार पर पेंशन और सेवानिवृत्ति लाभ की गणना तथा पात्र बकाया राशि जारी करने के निर्देश दिए थे। सरकार की प्रस्तावित अपील इसी राहत को भी चुनौती देगी। वित्त विभाग ने संबंधित एक्सपेंडिचर कंट्रोलिंग ब्रांचों के जरिए कार्रवाई कराने के निर्देश दिए हैं। पत्र में मामले को *मोस्ट अर्जेंट* बताते हुए 10 दिन की समयसीमा तय की गई है। दूसरी श्रेणी में वे कर्मचारी हैं, जिनके पदों का विज्ञापन नई पेंशन व्यवस्था लागू होने से पहले जारी हो चुका था, लेकिन नियुक्ति बाद में हुई। हाईकोर्ट ने 8 मई, 2023 के सरकारी कार्यालय ज्ञापन के संदर्भ में ऐसे कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना चुनने का विकल्प देने का आदेश दिया था।

सपा के पीडीए का मतलब *पराया धन अपना* 2027 में करेंगे नाकामयाब : विनोद तावड़े

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े शनिवार को लखनऊ पहुंचे। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए तावड़े ने समाजवादी पार्टी (सपा) के पीडीए नारे की नई परिभाषा बताई। तावड़े ने कहा कि सपा के पीडीए का मतलब *पराया धन अपना* । विनोद तावड़े ने कहा कि सपा के पीडीए को 2027 में हम नाकामयाब करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भाजपा है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर उत्तर प्रदेश में गृहमंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के विकास की रफ्तार बढ़ाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री व प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के दिशा-निर्देशन में आने वाला विधानसभा चुनाव एनडीए के कार्यकर्ता ताकत के साथ लड़कर जीतेंगे और अगले पांच साल उत्तर प्रदेश की जनता की सेवा में अपने आप को समर्पित करेंगे। इसके लिए हम सब लोग वचनबद्ध हैं। प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े के लखनऊ पहुंचने पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, प्रदेश महामंत्री संजय राय व प्रदेश मुख्यालय प्रभारी गोविन्द नारायण शुक्ला समेत पार्टी के नेताओं ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया। इसके बाद वह विधानसभा मार्ग स्थित

भाजपा के प्रदेश मुख्यालय पहुंचे। वहां पर पहले से मौजूद पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत किया। विनोद तावड़े प्रदेश प्रभारी बनने के बाद पहली बार लखनऊ आए हैं। वहीं भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय मंत्री व भाजपा उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी जगदीश पटेल शुक्रवार से ही लखनऊ में हैं। दोनों नेताओं के लखनऊ आगमन को विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों नेता पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी अभियान की तैयारियों की समीक्षा करेंगे।

दुष्कर्म व अश्लील फोटो वीडियो वायरल करने वाला आरोपी बठिंडा से गिरफ्तार

फतेहाबाद (हिंस)। महिला से दुष्कर्म करने तथा उसकी अश्लील फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर धमकाने के मामले में कार्रवाई करते हुए महिला थाना फतेहाबाद पुलिस ने आरोपी को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान बठिंडा के गांव बाघा निवासी हरप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल में भेज दिया गया है। शनिवार को महिला थाना फतेहाबाद की प्रभारी निरीक्षक मंजु सिंह ने बताया कि पीड़िता ने 20 अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता का आरोप था कि आरोपी हरप्रीत ने उसे झांसे में लेकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी उसकी अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान करने लगा।

बिहार के गयाजी ओटीए में 29वीं पासिंग आउट परेड, 253 ऑफिसर कैडेट्स भारतीय सेना में कमीशन

गयाजी (हिंस)। ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (ओटीए), गयाजी में शनिवार को 29वीं पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। समारोह में शॉर्ट सर्विस कमीशन, टेक्निकल एंट्री के चौथे बैच के 253 ऑफिसर कैडेट्स ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्राप्त किया। पासिंग आउट कैडेट्स में 218 पुरुष और 35 महिला ऑफिसर कैडेट्स शामिल रहे। परेड के दौरान कैडेट्स ने सैन्य अनुशासन, साहस और नेतृत्व क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। परेड के समीक्षा अधिकारी वियतनाम पीपुल्स आर्मी के जनरल स्टाफ के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल ले वान हुआंग रहे। उन्होंने युवा सैन्य अधिकारियों की पासिंग आउट परेड का निरीक्षण किया और उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की। समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर,

जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान तथा लेफ्टिनेंट जनरल संदीप सिंह, कमांडेंट, ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, गयाजी समेत कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे। पासिंग आउट परेड के दौरान ओटीए के सिम्फनी बैंड ने देशभक्ति की धुनों और सैन्य मार्च की शानदार प्रस्तुतियां दीं। बैंड की प्रस्तुतियों ने पूरे समारोह में जोश, अनुशासन और गौरव का माहौल बना दिया। समारोह के दौरान ऑफिसर कैडेट्स ने सैन्य परंपराओं और अनुशासन का पालन करते हुए भारतीय सेना के अधिकारी बनने की अपनी यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा किया। रिव्यूइंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल ले वान हुआंग ने पासिंग आउट ऑफिसर कैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्हें नवाचार अपनाने और लगातार अपने ज्ञान को अपडेट करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि युवा सैन्य नेताओं को उद्देश्यपूर्ण नेतृत्व करने के साथ-साथ नई तकनीकों में महारत हासिल करनी होगी। तेजी से बदलते युद्धक्षेत्र में परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालना भी एक सैन्य अधिकारी के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने युवा अधिकारियों से भारतीय सेना के मूल मूल्यों और गौरवशाली सैन्य परंपराओं को कायम रखते हुए भविष्य की सोच वाली नेतृत्व क्षमता विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शांति और युद्ध, दोनों परिस्थितियों में प्रभावी कमान के लिए परंपरा और आधुनिक सोच के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। 253 नए अधिकारियों के भारतीय सेना में शामिल होने के साथ ही ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी, गयाजी की गौरवशाली सैन्य परंपरा में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया।

संस्कृति के रंगों से सजा प्रताप गौरव केंद्र

तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला महोत्सव में झांकियों ने मोहा मन

उदयपुर (हिंस)। प्रताप गौरव केंद्र *राष्ट्रीय तीर्थ* में भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक सरोकारों से ओतप्रोत श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला महोत्सव का दूसरा दिन झांकी, लहरिया और नाव मनोरथ से सजा। प्रताप गौरव केंद्र के निदेशक अनुराग सक्सेना ने बताया कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप समिति, उदयपुर के अंतर्गत संचालित प्रताप गौरव केंद्र में चल रहे इस मेले की स्टॉल्स पर दिनभर शहरवासियों की रेलमपेल रही। शाम को चकरी-डोलर पर बच्चों की भीड़ रही। महोत्सव के सहसंयोजक हिम्मत सिंह ने बताया कि शनिवार को प्रात: 9 बजे से झांकी प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें कृष्ण की लीलाओं और धार्मिक-सांस्कृतिक प्रसंगों की कलात्मक अभिव्यक्ति से परिपूर्ण झांकियों ने मन मोह लिया। सहसंयोजक जसवंत सिंह पुण्डीर ने बताया कि दोपहर में लहरिया उत्सव हुआ, जिसने राजस्थान की रंग-बिरंगी लोक परम्परा को जीवंत किया। लहरिया महोत्सव के अंतर्गत रखी गई मेहंदी प्रतियोगिता में नेहा सेन प्रथम, मोनिका द्वितीय तथा कोयल श्रीमाली तृतीय रहीं। शाम को भक्तिधाम में नाव मनोरथ हुआ। बड़ी संख्या में दर्शनार्थियों ने भगवान के मनोहारी स्वरूप के

दर्शन किए। इसके बाद भजन संध्या शुरू हुई जो रात तक जमी। पालक अधिकारी पंकज पालीवाल ने बताया कि 6 सितंबर को प्रात: 9 बजे से पारम्परिक गवरी आयोजन होगा। मेवाड़ की लोकनाट्य एवं आदिवासी सांस्कृतिक परम्परा से जुड़ी गवरी की प्रस्तुति महोत्सव के अंतिम दिन को विशिष्ट लोक-रंग प्रदान करेगी। झांकी प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में भगवान एकलिंगनाथ सरस्वती संस्कार विद्यालय की झांकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय को 11 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। प्रतियोगिता में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़गांव की झांकी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। झांकी को 5 हजार रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। वहीं आलोक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की झांकी तृतीय स्थान पर रही, जिसके लिए 2100 रुपए का पुरस्कार दिया गया। विद्या निकेतन उच्च प्राथमिक विद्यालय, बड़गांव की झांकी को सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1100 रुपए प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बैरन, राजसमंद की प्रधानाचार्या रेखा महात्मा, ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी बड़गांव किरण कोटिया तथा डाइट उदयपुर के प्राध्यापक संजय शाण्डिल्य शामिल रहे। निर्णायकों ने झांकियों की प्रस्तुति, विषय-वस्तु, रचनात्मकता, संदेश एवं विद्यार्थियों की सहभागिता सहित विभिन्न पहलुओं के आधार पर मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सीआईडी) उदयपुर चेतना भाटी, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की उपायुक्त लतिका पालीवाल तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ रोशन डांगी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम के दौरान थूर एवं सायरा के बच्चों ने लव जिहाद, हाड़ी रानी पर नृत्य नाटिका से शौर्य और समसामयिक स्थितियों का चित्रण किया। श्रीनाथ जी का स्वरूप धरकर आये बालक की परिक्रमा करते हुए महिलाओं ने सामूहिक घूमर भी किया। इस दौरान प्रतिभाओं ने तलवार रास किया और महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र पर योगासन किए। कालिका पेट्रोलियम की प्रमुख शिप्रा दीदी के मार्गदर्शन में आत्मरक्षा का प्रदर्शन किया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर नंदोत्सव की धूम, बधाई गायन और नृत्य-संकीर्तन से गूंजा भागवत-भवन

मथुरा (हिंस)। श्री कृष्ण नगरी में मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अंतर्गत भाद्रपद कृष्ण नवमी शनिवार को श्रीकृष्ण-जन्मस्थान पर भव्य नंदोत्सव का आयोजन अत्यंत उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। उत्सव के दौरान श्रीभागवत भवन मंदिर प्रांगण को नंदभवन का दिव्य स्वरूप दिया गया था। शास्त्रीय मान्यताओं, श्रुतियों और स्मृतियों के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खुशी में बधाई गायन तथा उद्दाम नृत्य-संकीर्तन से संपूर्ण परिसर गुंजायमान हो उठा। शनिवार इस पावन अवसर पर हजारों की संख्या में ब्रजवासी और दूर-दराज से आए श्रद्धालु शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने भावमय नृत्य, संकीर्तन और तालियों की गडगड़ाहट के साथ अपनी खुशी जाहिर की। श्रीकृष्ण-जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा और प्रबंध समिति के

सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी द्वारा भक्तों के बीच हजारों खिलौने, वस्त्र, बर्तन, मिष्ठान और अन्य सामग्री प्रसाद के रूप में वितरित किए गए। शनिवार दोपहर में लीलामंच पर सुप्रसिद्ध भजन गायिका श्रीमती शालिनी शर्मा, जगदीश ब्रजवासी और उनके सहयोगियों ने मनमोहक भजनों और बधाई गायन की प्रस्तुतियां दीं, जिस पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूमते नजर आए। संपूर्ण जन्मभूमि परिसर में ऐसा दिव्य वातावरण बना रहा, मानो सभी भक्त प्रत्यक्ष रूप से नंद बाबा और माता यशोदा को लल्ला के जन्म की बधाई दे रहे हों।

अहम खनिज दौड़ में भारतीय निजी क्षेत्र का नया दांव, अफ्रीका में बना रहे ठिकाने

नई दिल्ली

भारत अपनी विनिर्माण महत्त्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की वैश्विक दौड़ में शामिल है। इसी बीच, कुछ भारतीय मूल के निजी खनिज कारोबारी चुपचाप अफ्रीकी महाद्वीप में अपनी खनिज संपत्तियां विकसित कर रहे हैं। ये कारोबारी, सार्वजनिक उपक्रमों की सरकारी मदद से अधिग्रहण की रणनीति से हटकर, स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं।

और अपनी प्राथमिकता भारतीय विनिर्माताओं को खनिज उपलब्ध कराना बता रहे हैं। वे भारत सरकार से वित्तीय सहायता के बजाय चीन की तर्ज पर मजबूत संस्थागत सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं। इनमें से अधिकांश निजी स्वामित्व वाली मध्यम आकार की कंपनियां हैं, जिन्होंने कान्गो, तंजानिया, जाम्बिया और जिम्बाब्वे जैसे देशों में ग्रेफाइट, कोबाल्ट, लीथियम, टिन, टैंटलम, टंगस्टन जैसे महत्त्वपूर्ण खनिजों की खानें तैयार कर ली हैं।

ये कंपनियां ग्रेफाइट व कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों की खानें कर रही हैं विकसित

उद्योग विशेषज्ञों और कंपनी अधिकारियों के अनुसार, इन कंपनियों की पहली प्राथमिकता भारतीय विनिर्माताओं को ही खनिज उपलब्ध कराना है। हालांकि, वे चाहते हैं कि जिस तरह चीन ने दशकों से अपनी खनिज कंपनियों को समर्थन दिया है, भारत सरकार भी उनके साथ मिलकर काम करे। उनका मानना है कि ऐसे संस्थागत सहयोग से वे अपनी पूरी क्षमता से उत्पादन और आपूर्ति कर पाएंगे तथा मेजबान देशों की सरकारों के साथ बेहतर ढंग से निपट सकेंगे। वे वित्तीय सहायता के बजाय दीर्घकालिक वाणिज्यिक संबंधों और सरकार से मजबूत संस्थागत समर्थन की आकांक्षा रखते हैं। इस पहल का एक उल्लेखनीय उदाहरण अहमदाबाद की सकारिया माइंस ऐंड मिनरल्स है, जो तंजानिया में दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा ग्रेफाइट भंडार (लगभग 18.3 करोड़ टन) विकसित कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी के अनुसार, पहले चरण के विकास में 15 से 20 करोड़ डालर का निवेश होगा और लक्ष्य 40 लाख टन प्रसंस्करण क्षमता हासिल करना है। उन्होंने कहा, हमारी पहली प्राथमिकता भारत होगी। कई बैटरी विनिर्माता भारत में अपने संयंत्र स्थापित कर रहे हैं। अगर हमें सही अवसर मिलता है तो हम पहले भारतीय कंपनियों को आपूर्ति करना चाहेंगे उन्होंने चीन के माडल पर जोर दिया, जहां खनन को मुख्य उत्पाद निर्माण और सतत राज्य समर्थन के साथ एकीकृत किया जाता है, जो केवल विदेशी खदानों के मालिक होने से कहीं अधिक है। भारत की ग्रेफाइट मांग बैटरी निर्माण के साथ तेजी से बढ़ने की उम्मीद है, और इन निजी खिलाड़ियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

न्यूज ब्रीफ

भारत के साथ अंतरिक्ष सहयोग बढ़ाएगा आस्ट्रेलिया, निजी क्षेत्र पर विशेष ज़ोर

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया भारत के तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष क्षेत्र में वाणिज्यिक सहयोग बढ़ाने का इच्छुक है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रह निर्माण और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे विविध क्षेत्रों में भागीदारी करना है। आस्ट्रेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में भारतीय कंपनियों के साथ तीन से पांच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। आस्ट्रेड के व्यापार एवं निवेश आयुक्त नाथन डेविस ने कहा कि आस्ट्रेलिया पृथ्वी अवलोकन, छोटे उपग्रहों के निर्माण व प्रक्षेपण सेवाओं, ट्रैकिंग और जैव-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग के साथ मिलकर काम करना चाहता है। विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स में माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान भी एक संभावित क्षेत्र है। अगले सप्ताह बेंगलुरु स्पेस एक्सपो में आस्ट्रेलिया प्रौद्योगिकी देश भागीदार के रूप में भाग लेगा, जिसमें नौ कंपनियों और तीन विश्वविद्यालयों सहित 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा। सिडनी स्थित स्पेस मशीन्स और लैटकनेक्ट 60 जैसी कंपनियां पहले ही भारतीय स्टार्टअप के साथ साझेदारी कर चुकी हैं, जबकि रिसर्चसैट जैसी कंपनियां भारत में भागीदार तलाश रही हैं। आस्ट्रेलिया का अंतरिक्ष क्षेत्र वर्तमान में 4.6 अरब का वार्षिक टर्नओवर और 17,000 रोजगार प्रदान करता है, जिसका लक्ष्य इसे कुछ वर्षों में 12-13 अरब तक बढ़ाना है। दोनों देश भारत के महत्वाकांक्षी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए पहले से ही सहयोग कर रहे हैं, जिसमें आस्ट्रेलिया टेलीमेट्री ट्रैकिंग और क्रू-माड्यूल रिकवरी क्षमताओं में योगदान दे रहा है।

ई-कॉमर्स निर्यात से छोटे शहरों के कारोबारियों को मिलेगी मददः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विशेषज्ञों ने कहा कि ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात को बढ़ावा देने के सरकारी उपायों से देश के छोटे शहरों के व्यापारियों को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा।उन्होंने कहा कि हथकरघा, हस्तशिल्प और आभूषण जैसे क्षेत्रों से जुड़े कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पाद वैश्विक बाजारों तक अपनी पहुंच बना सकेंगे। पायोनियर इंडिया के एक अ अधिकारी ने कहा, 'ई-कॉमर्स करूर, पानीपत, जयपुर, मुरादाबाद या तिरुपुर के किसी विक्रेता को अपनी वृद्धि यात्रा के काफी शुरुआती दौर में ही विदेशी खरीदारों तक पहुंचने की गुंजाइश दे रहा है। हालांकि, उन्होंने कहा कि ग्राहकों की खोज केवल पहला कदम है और छोटे निर्यातकों को सीमा पार भुगतान के ऐसे भरोसेमंद बुनियादी ढांचे की भी आवश्यकता है जो ऑर्डर की संख्या बढ़ने पर उनका समर्थन कर सके। उन्होंने कहा, 'यह बदलाव न केवल भारत के निर्यात के मूल्य को बदल सकता है, बल्कि यह भी तय कर सकता है कि निर्यात आधारित आर्थिक गतिविधियां कहां संचालित होंगी। पारंपरिक निर्यात मॉडल ने अक्सर स्थापित विदेशी साझेदारों, व्यापक वितरण नेटवर्क और भारी मात्रा में खेप संभालने की क्षमता वाले बड़े व्यवसायों का पक्ष लिया है। उन्होंने कहा कि ई-कॉमर्स छोटे विक्रेताओं को अपेक्षाकृत कम मात्रा के ऑर्डर से शुरुआत करने की अनुमति देकर इनमें से कुछ शुरुआती बाधाओं को कम करता है।

अर्थव्यवस्था मजबूत, कमाई दमदार, फिर भी निफ्टी को किसका इंतजार

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था एक मजबूत वृद्धि पथ पर अग्रसर है, जिसका प्रमाण वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में दर्ज 7.8 फीसदी की प्रभावशाली जीडीपी वृद्धि और कंपनियों के उत्कृष्ट तिमाही नतीजे हैं। हालांकि, यह विरोधाभासी है कि इतनी सशक्त आर्थिक बुनियाद के बावजूद, भारतीय शेयर बाजार का बेंचमार्क निफ्टी पिछले करीब दो सालों से किसी बड़ी और टिकाऊ तेजी के लिए संघर्ष कर रहा है। इस अवधि में बाजार में तीव्र उतार-चढ़ाव तो देखा गया, लेकिन एक स्पष्ट दिशा का अभाव रहा है, जिसने निवेशकों में असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि घरेलू संकेतों की मजबूती के बावजूद, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) की लगातार बिकवाली ही इस ठहराव के प्रमुख कारणों में से एक है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में डेरिवेटिव्स एंड टेक्निकल हेड चंदन तापड़िया के अनुसार, भारत की उच्च जीडीपी वृद्धि और बेहतर कारपोरेट अर्निंग्स के बावजूद निफ्टी का सपाट रहना चिंताजनक है।

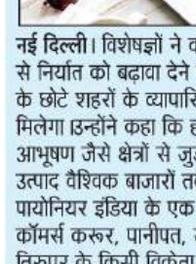

पोर्श कायेन ईवी आ रही है जल्द कीमत 1.77 करोड़ रुपये से शुरू

नई दिल्ली

लग्जरी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में सितंबर के अंत में पोर्श कायेन ईवी का सार्वजनिक प्रदर्शन होगा।। पिछले वर्ष नवंबर में पोर्श ने इस माडल की कीमतों की घोषणा की थी। सामान्य कायेन ईवी की कीमत 1.77 करोड़ रुपये रखी गई है, जबकि अधिक ताकतवर टर्बो ईवी की कीमत 2.27 करोड़ रुपये है, ये दोनों कीमतें एक्स-शोरूम हैं। कायेन ईवी के दोनों संस्करणों में 113 किलोवाट-घंटे की बैटरी और दो मोटर वाली आल-व्हील ड्राइव प्रणाली मानक रूप से दी गई है।

टर्बो ईवी इसका सबसे ताकतवर संस्करण है, जो लान्च कंट्रोल के साथ 1,156 हार्सपावर की ताकत और 1,500 न्यूटन मीटर का अधिकतम टार्क पैदा करता है। यह महज 2.5 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी अधिकतम गति इलेक्ट्रानिक रूप से 260 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित है। कंपनी के अनुसार, इसकी डब्ल्यूएलटीपी प्रमाणित रेंज 537 किलोमीटर है। सामान्य कायेन ईवी 442 हार्सपावर की ताकत और 835 न्यूटन मीटर का टार्क देती है, और यह लान्च कंट्रोल के साथ 4.8 सेकंड में शून्य से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसकी अधिकतम गति 230 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित है और इसकी डब्ल्यूएलटीपी प्रमाणित रेंज 542 किलोमीटर बताई गई है। डिजाइन के मामले में, कायेन ईवी का मूल आकार इंजन वाले कायेन से मिलता-जुलता है, लेकिन इसे ईवी के अनुरूप कुछ खास बदलाव दिए गए हैं। आगे की तरफ एक बंद ग्रिल दी गई है, जबकि बंपर के दोनों किनारों पर बैटरी और इलेक्ट्रिक उपकरणों को ठंडा रखने के लिए वायु प्रवेश मार्ग दिए गए हैं। टर्बो संस्करण में ये वेंट और भी बड़े हैं। पीछे की तरफ पूरी चौड़ाई में फैली एलईडी लाइट पट्टी के साथ रोशन पोर्श नाम दिया गया है। केबिन में तीन तीलियों वाला स्टीयरिंग व्हील और डिजिटल चालक सूचना स्क्रीन दी गई है।

मित्सुबिशी मोटर्स ने एसयूवी पजेरो को किया नए जेनरेशन अवतार में पेश

नई दिल्ली। अपनी विश्व-प्रसिद्ध आफ-रोड एसयूवी पजेरोको मित्सुबिशी मोटर्स ने नए जेनरेशन अवतार में उतारकर एक धमाकेदार वापसी की है। नई पजेरो पहले थाई मार्केट में लान्च की जाएगी, जिसके बाद फिस्कल 2026 में यह जापान और आस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में पहुंचेगी, और फिर 2027 से अन्य वैश्विक देशों में उपलब्ध होगी। यह वापसी आफ-रोड उत्साही लोगों के लिए बेहद रोमांचक खबर है। 1982 में लान्च हुए इस माडल की यह पांचवीं जनरेशन है, जिसे कंपनी का नया फ्लैगशिप क्रास-कंट्री एसयूवी बनाया गया है। नई पजेरो एक मजबूत लैडर फ्रेम चेसिस, एक अत्यधिक एडवांस 4डब्ल्यूडी सिस्टम और एक प्रीमियम इंटीरियर के साथ आती है, जो इसे किसी भी सड़क की स्थिति में एक भरोसेमंद और आरामदायक सफर का वादा करती है। इसके पावरट्रेन की बात करें तो, इसमें एक 2.4-लीटर क्लीन डीजल इंजन है जो 150 किलोवाट की शक्ति और 480 न्यूटन-मीटर का प्रभावशाली टार्क पैदा करता है, और इसे एक नए 8-स्पीड आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। आफ-रोड क्षमताओं को और बढ़ाने के लिए, इसमें सुपर सिलेक्ट 4डब्ल्यूडी-II और एस-एडब्ल्यूसी सिस्टम के साथ-साथ सात अलग-अलग ड्राइव मोड भी दिए गए हैं, जिनमें इको, नार्मल, ग्रेवल, स्नो, मड, सैंड और राक शामिल हैं, जो विभिन्न इलाकों के लिए इष्टतम प्रदर्शन सुनिश्चित करते हैं। एक्सटीरियर डिजाइन में पहली जनरेशन से प्रेरित बोल्ड प्रोपोर्शन और आधुनिक टी-शेप्ड हेडलाइट्स हैं। केबिन के अंदर, एक डुअल 14.3-इंच स्क्रीन वाला मोनोलिथिक डिस्प्ले और 7-सीटर लेआउट मिलता है। सुरक्षा के लिए इसमें आठ एयरबैग और एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम दिए गए हैं, जो इसे एक बेहतरीन और सुरक्षित पैकेज बनाते हैं। डबल-विशबोन फ्रंट और फाइव-लिंक रिजिड रियर सस्पेंशन बेहतरीन आफ-रोड क्षमता के साथ-साथ आरामदायक राइड भी प्रदान करते हैं, जबकि इसका ग्राउंड क्लियरेंस 230 मिमी है।

केन्या में सभी नियामकीय नियमों का कर रहे पालन : टाटा केमिकल्स

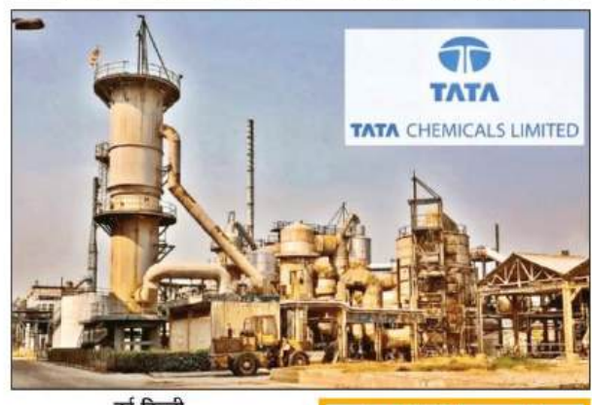

नई दिल्ली

केन्या के राष्ट्रपति विलियम रूटो ने भारतीय दिग्गज टाटा केमिकल्स को झटका देते हुए सदी पुराने मैगाडी सोडा ऐश संयंत्र से बाहर निकलने का आदेश दिया है। इसके बाद टाटा केमिकल्स ने स्पष्ट किया है कि उसकी स्थानीय अनुषंगी टाटा केमिकल्स मगाडी लिमिटेड (टीसीएमएल) सभी नियामकीय आवश्यकताओं का पालन कर रही है और सरकार को सभी जरूरी सूचनाएं व दस्तावेज जमा करा चुकी है।

टीसीएमएल को केन्या के खनन, समुद्री अर्थव्यवस्था और समुद्री मामलों के मंत्रालय का 28 जुलाई को परिचालन निलंबित करने को लेकर पत्र मिला था। इसके बाद कंपनी ने 11 अगस्त को मांगी गई सभी सूचनाएं, रिपोर्ट और दस्तावेज जमा करा दिए थे। अब टाटा केमिकल्स मंत्रालय द्वारा इन दस्तावेजों की समीक्षा और आगे के निर्देशों का इंतजार कर रही है।

कंपनी ने नियामकीय अनुपालन का दावा किया, सभी दस्तावेज जमा किए

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वह केन्या सरकार के अधिकार का सम्मान करती है और लंबित मुद्दों को उचित कानूनी एवं नियामकीय माध्यमों से सुलझाने के लिए रचनात्मक बातचीत जारी रखने को प्रतिबद्ध है। कंपनी ने 2005 में मगाडी संयंत्र का अधिग्रहण किया था। ट्रपति रूटो ने टाटा पर आरोप लगाया कि कंपनी के पास 100 साल से खनन अधिकार हैं, लेकिन उसने काजियाडो में कुछ नहीं बनाया और संसाधन भारत तथा अन्य स्थानों पर ले जाती रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार टाटा की जगह दो नई कंपनियों को लाएगी, जिनमें से एक कांच का कारखाना और दूसरी रसायनों का उत्पादन करेगी। राष्ट्रपति की यह टिप्पणी खनन मंत्रालय द्वारा टीसीएमएल को बकाया खनन शुल्क और अन्य नियामकीय कमियों का हवाला देते हुए परिचालन निलंबित करने के निर्देश के लगभग पांच सप्ताह बाद आई थी।

मोनोमार्क इंजीनियरिंग, आरकेबी ग्लोबल को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मोनोमार्क इंजीनियरिंग (इंडिया) लिमिटेड और आरकेबी ग्लोबल लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है। सेबी की ओर से दी गई अद्यतन जानकारी के अनुसार, नियामक ने मोनोमार्क इंजीनियरिंग के प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम पर चार सितंबर को अपनी टिप्पणियां जारी कीं, जबकि आरकेबी ग्लोबल को 31 अगस्त को टिप्पणियां मिली थीं ।आईपीओ प्रक्रिया में सेबी की टिप्पणियां एक महत्वपूर्ण चरण होती हैं। इसके बाद कंपनियां अपने प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए अगली प्रक्रियाओं की तैयारियां कर सकती हैं। मसौदा दस्तावेजों के अनुसार, मोनोमार्क इंजीनियरिंग के सार्वजनिक निर्गम में 2.70 करोड़ तक नए शेयर जारी किए जाएंगे और इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई हिस्सा नहीं होगा। आरकेबी ग्लोबल के आईपीओ में 1.26 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे और 20.20 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ये मंजूरियां प्राथमिक बाजार में लगातार जारी गतिविधियों के बीच मिली हैं। कई कंपनियां इस महीने सार्वजनिक निर्गम लाने की तैयारी कर रही हैं।

डीपीए कांडला ने शिप-टू-शिप ट्रांसशिपमेंट में 12.7 मिलियन टन कार्गो हैंडल कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली

गुजरात के कच्छ में स्थित दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण (डीपीए), कांडला ने नया कीर्तिमान रचा है। डीपीए ने शिप-टू-शिप ट्रांसशिपमेंट में 12.7 मिलियन टन का सर्वकालिक उच्च आंकड़ा पार कर एक नया ऐतिहासिक रिकार्ड बनाया है।

दीनदयाल पोर्ट अथारिटी ने एक बयान में बताया कि यह सफलता एक सितंबर, 2026 तक के संचालन में हासिल की गई है, जो कि शिप-टू-शिप आपरेशन्स के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह इसके आपरेशनल सफर में एक और अहम उपलब्धि है।

डीपीए कांडला ने एक्स पर जारी पोस्ट में इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए कहा कि यह उपलब्धि बंदरगाह की बढ़ती समुद्री क्षमताओं, कुशल कामकाज और देश के लाजिस्टिक्स इकोसिस्टम को बेहतर बनाने तथा बंदरगाह-आधारित विकास को बढ़ावा देने में इसकी अहम भूमिका को दर्शाती है।

यह उपलब्धि कांडला बंदरगाह की उच्च परिचालन दक्षता, आधुनिक समुद्री बुनियादी ढांचे और तेजी से बढ़ते व्यापारिक भरोसे को दर्शाती है। शिप-टू-शिप आपरेशंस में उल्लेखनीय वृद्धिः लाजिस्टिक्स लागत घटाने में मददगारशिप-टू-शिप (एसटीएस) ट्रांसशिपमेंट प्रक्रिया के तहत गहरे समुद्र में बड़े जहाजों (मदर वेसल्स) से छोटे जहाजों (डाटर वेसल्स) पर माल का सीधे स्थानांतरण किया जाता है।

आंकड़ों के अनुसार डीपीए कांडला पोर्ट ने 70.03एमएमटी कार्गो हैंडल किया है और यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत का सबसे तेज प्रमुख पोर्ट बन गया। ये उपलब्धि पिछले फाइनेंशियल ईयर के मुकाबले 32 दिन पहले हासिल की गई, साथ ही इसमें साल-दर-साल 23.02 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे पहले, 27 जुलाई को डीपीए कांडला ने एक दिन में सबसे ज़्यादा 7,83,816 मीट्रिक टन कार्गो हैंडल करके एक और रिकार्ड बनाया; इसने 17 जून को बनाए गए अपने पिछले 7,78,570 मीट्रिक टन के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। दीनदयाल पोर्ट प्रशासन ने जारी एक बयान में कहा कि लगातार कार्गो हैंडलिंग क्षमता में विस्तार, डिजिटलाइजेशन और सुरक्षित समुद्री प्रक्रियाओं को लागू करने के चलते ये नया रिकार्ड संभव हुआ है। अधिकारियों के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2026-27 के शेष महीनों में ट्रांसशिपमेंट के आंकड़ों में और अधिक वृद्धि की उम्मीद है, जो मैरीटाइम इंडिया विजन और बंदरगाह-आधारित आर्थिक विकास को नई मजबूती देगा।

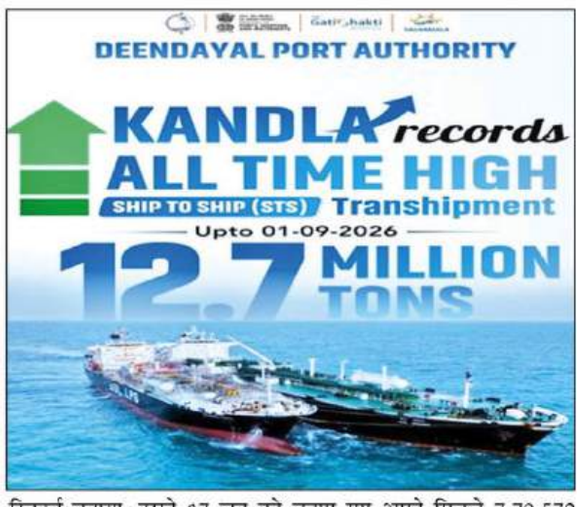

विदेश में निवेशः अमेरिकी फंड ने दिया बंपर रिटर्न, चीन-हांगकांग में लगा झटका

नई दिल्ली

भारतीय निवेशकों के लिए विदेश में निवेश का दायरा अब सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहा है। हालांकि, अलग-अलग वैश्विक बाजारों में निवेश के कई विकल्पों के बीच, पिछले एक साल के रिटर्न ने एक स्पष्ट तस्वीर पेश की है। एक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिकी इक्विटी से जुड़े एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) ने शानदार रिटर्न दिया है, जबकि हांगकांग के कुछ टेक आधारित फंडों में निवेशकों को नुकसान झेलना पड़ा है।

अमेरिकी ईटीएफ से 35 फीसदी तक रिटर्न, पर हांगकांग टेक फंडों में घाटा

अमेरिकी फंडों का शानदार प्रदर्शन जारी रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बाजारों से जुड़े ईटीएफ ने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मोतीलाल ओसवाल नैस्डैक 100 ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 35.33 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया, जो विदेशी ईटीएफ में सबसे मजबूत रहा। इसी तरह, मिराए एसेट एनवाईएसई फैंग प्लस ईटीएफ ने एक साल में करीब 30.70 फीसदी और मिराए एसेट एसएंडपी 500 टाप 50 ईटीएफ ने भी 23.54 फीसदी का मुनाफा दर्ज किया। सिर्फ एक साल नहीं, तीन साल की अवधि में भी इन अमेरिकी फंडों ने क्रमशः 31.46, 41 और 27.54 फीसदी तक का सालाना रिटर्न दिया है, जो अमेरिकी टेक और बड़ी कंपनियों की निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। हांगकांग टेक में झटका, पर हर चीनी फंड कमजोर नहीं इसके विपरीत, हांगकांग के टेक शेयरों से जुड़े कुछ फंडों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। मिराए एसेट हैंग सेंग टेक ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 10.82 फीसदी का नुकसान दिया। हालांकि, चीन से जुड़े सभी फंडों की तस्वीर एक जैसी नहीं रही। निप्पान इंडिया ईटीएफ हैंग सेंग बीईईएस ने इसी अवधि में 12.06 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न दिया, जो दो और तीन साल की अवधि में क्रमशः 30.92 फीसदी और 20.59 फीसदी तक पहुंचा। यह स्पष्ट करता है कि विदेशी निवेश में सिर्फ देश का नाम देखकर फैसला नहीं किया जा सकता। फंड जिस सूचकांक को ट्रैक करता है, उसमें शामिल कंपनियां और रुपये की चाल भी रिटर्न को प्रभावित करती है। निवेशकों को गहराई से विश्लेषण कर ही निवेश का निर्णय लेना चाहिए।

यूएस ओपन : सेरेना और वीनस विलियम्स की महिला युगल में वापसी हार के साथ खत्म

न्यूयार्क

टेनिस की दिग्गज बहनों सेरेना और वीनस विलियम्स ने यूएस ओपन की महिला युगल स्पर्धा में चार साल बाद वापसी की, लेकिन उन्हें चान ह्सओ-चिंग और माया जाइंट के खिलाफ तीन सेट के रोमांचक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में चान और जाइंट ने अमेरिकी बहनों को 6-3, 6-7 (6-8), 7-6 (10-7) से हराया।

14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीत चुकीं सेरेना और वीनस की जोड़ी ने तीसरे सेट में एक समय पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। निर्णायक 10 अंक वाले टाईब्रेक में भी दोनों बहनों ने 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन चान और जाइंट ने जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

46 वर्षीय वीनस और 44 वर्षीय सेरेना ने 2022 यूएस ओपन के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में महिला युगल मुकाबला खेला। दोनों बहनों ने आखिरी बार 2018 में फ्रेंच ओपन में साथ खिताब जीता था। उनकी 14 ग्रैंड स्लैम युगल ट्रॉफियों में दो यूएस ओपन खिताब भी शामिल हैं।

पहले सेट में चान और जाइंट ने 6-3 से जीत दर्ज की। इसके बाद सेरेना और वीनस ने दूसरे सेट में जोरदार वापसी की। उन्होंने इस सेट में 20 विनर्स लगाए और अपनी सर्विस पूरे सेट में बरकरार रखी। टाईब्रेक में जीत हासिल कर उन्होंने मुकाबले को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। माया जाइंट के ओवरहेड शाट के लंबा बाहर जाने के साथ ही अमेरिकी बहनों ने सेट अपने नाम किया और स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने जोरदार स्वागत किया।

तीसरे सेट में चान और जाइंट ने 4-2 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन विलियम्स बहनों ने फिर वापसी की। निर्णायक टाईब्रेक में उन्होंने 5-0 की बढ़त बनाकर जीत की उम्मीद जगा दी थी, लेकिन ताइवान की चान और जाइंट ने शानदार खेल दिखाते हुए लगातार अंक हासिल किए और 10-7 से टाईब्रेक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना के लिए फ्लशिंग मीडोज में यह लंबे अंतराल के बाद वापसी थी। चार साल पहले खेल से दूरी बनाने के बाद उन्होंने विंबलडन में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रमुख एकल प्रतियोगिता में वापसी की थी, जहां सेंटर कोर्ट पर उनका मुकाबला माया जाइंट से हुआ था।

हालांकि, आर्थर ऐश स्टेडियम का माहौल जाइंट के लिए भी खास अनुभव रहा। मुकाबले से पहले दोनों बहनों के कोर्ट पर उतरते ही दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया। उनके हर शानदार वाली और ओवरहेड शाट पर स्टेडियम गूंज उठा।

जाइंट ने कहा, माहौल अवास्तविक था। टेनिस की ऐसी दिग्गज खिलाड़ियों के खिलाफ खेल पाना बेहद खास है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः अल्कराज ने वू यीबिंग को हराकर चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क। गत चैंपियन स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने चीन के वू यीबिंग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4, 6-1 से हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली है। इस जीत के साथ अल्कराज ने फ्लशिंग मीडोज में अपने तीसरे खिताब की दावेदारी को और मजबूत कर दिया। इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में अल्कराज की लगातार जीत का सिलसिला 17 मैचों तक पहुंच गया है। उन्होंने पिछले साल यूएस ओपन का खिताब जीता था और इस साल फरवरी में आस्ट्रेलियन ओपन भी अपने नाम किया था। आस्ट्रेलियन ओपन की जीत के साथ वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे। कलाई की चोट के कारण करीब पांच महीने तक प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर रहने के बाद न्यूयार्क पहुंचे अल्कराज हर दौर के साथ बेहतर लय में नजर आ रहे हैं। हालांकि पहले सेट में वू यीबिंग ने एक समय उनका ब्रेक वापस हासिल कर शुरुआती दबाव को कुछ देर के लिए कम किया, लेकिन अल्कराज ने जल्द ही नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया। विश्व रैंकिंग में 113वें स्थान पर काबिज वू यीबिंग पेशेवर युग में किसी ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचने वाले पहले चीनी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश में थे।

ला लीगाः रियल बेटिस ने मैड्रिड को 1-0 से हराया, एमबापे पेनल्टी से भी नहीं दिला सके बराबरी

सेविले। रियल बेटिस ने रियल मैड्रिड की ला लीगा में लगातार जीत की शुरुआत पर विराम लगा दिया। घरेलू टीम ने रोमांचक मुकाबले में मैड्रिड को 1-0 से हराया। ट्राय पैराट ने 81वें मिनट में निर्णायक गोल किया, जबकि गोलकीपर अल्वारो वालेस ने इंजरी टाइम में किलियन एमबापे की पेनल्टी रोककर बेटिस की जीत सुनिश्चित की। मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, लेकिन सेविले की गर्मी में दूसरे हाफ के बाद खेल की रफ्तार कुछ धीमी पड़ गई। 68वें मिनट में मैदान पर उतरे पैराट ने 81वें मिनट में बेटिस को बढ़त दिलाई। रियल मैड्रिड के गोलकीपर थिबो कूर्तुआ ने एक हेडर को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पैराट के सामने आ गई और उन्होंने तुरंत उसे गोल में पहुंचा दिया। मैड्रिड ने बराबरी की कोशिश की। एमबापे ने चार मिनट बाद गेंद को क्रासबार पर दे मारा। इसके बाद विनिसियस जूनियर के क्रास पर स्थानापन्न खिलाड़ी कार्लोस एस्पी ने शानदार साइकिल किक से गेंद को गोल में पहुंचाया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी की समीक्षा के बाद आफसाइड के कारण गोल को रद्द कर दिया गया। बेटिस की ओर से नेल्सन डिओसा ने भी लंबी दूरी से गोल करने का प्रयास किया। उन्होंने कूर्तुआ को गोल से बाहर देखा और दूर से शाट लगाया, लेकिन मैड्रिड के गोलकीपर ने समय रहते वापसी करते हुए शानदार बचाव किया। मैच के इंजरी टाइम में मैड्रिड को बराबरी का सबसे बड़ा मौका मिला। नातान ने पेनल्टी क्षेत्र के अंदर विनिसियस को गिरा दिया, जिसके बाद मैड्रिड को पेनल्टी मिली।

यूएस ओपनः त्सित्सिपास ने लेहेका को हराया, दो साल बाद ग्रैंड स्लैम के अंतिम-16 में पहुंचे

न्यूयार्क। यूनान के स्तेफानोस त्सित्सिपास ने चेक गणराज्य के 18वीं वरीयता प्राप्त जिरी लेहेका को हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में जगह बना ली। त्सित्सिपास ने खेले गए मुकाबले में लेहेका को 2-6, 6-1, 7-6 (7-3), 6-1 से हराया। यह पहली बार है जब उन्होंने यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया है। त्सित्सिपास ने लेहेका की तुलना में चार गुना ज्यादा ऐस लगाए और मुकाबले का अंत शानदार सर्विस विनर के साथ किया। इस जीत के साथ वह दो साल से अधिक समय बाद किसी ग्रैंड स्लैम में अंतिम-16 में पहुंचे हैं। जीत के बाद त्सित्सिपास ने दर्शकों का अभिवादन करते हुए कहा, आपने इस मुकाबले में मेरा साथ दिया और मुझे जीत तक पहुंचाया। यह प्रतिक्रिया न्यूयार्क में बड़ी संख्या में मौजूद यूनानी-अमेरिकी प्रशंसकों के समर्थन के संदर्भ में थी। त्सित्सिपास ने पहले दौर में उभरते हुए खिलाड़ी आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर किया था। इसके बाद लेहेका के खिलाफ भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती दो सेट बांटे, लेकिन तीसरे सेट का टाईब्रेक मुकाबले का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। त्सित्सिपास ने लगातार दो ऐस लगाए, जबकि पिछले साल न्यूयार्क में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे लेहेका ने डबल फाल्ट किया और कुछ ग्राउंड स्ट्रोक में गलतियां कीं। त्सित्सिपास ने मुकाबले में कुल 34 विनर्स लगाए, जबकि लेहेका 22 विनर्स ही लगा सके। यूनानी खिलाड़ी ने 30 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि चेक खिलाड़ी से 41 गलतियां हुईं। पीठ की समस्या के कारण 2025 का सत्र प्रभावित होने के बाद त्सित्सिपास ने कहा कि अब वह दर्द से मुक्त हैं। उन्होंने कहा, यह सत्र शायद मेरे लिए सबसे अच्छा नहीं रहा है, लेकिन कम से कम मैं हर दिन उठता हूं और खुश होता हूं कि मुझे कोई दर्द नहीं है।

भारत के खिलाफ मैच के लिए उरुग्वे की प्रारंभिक टीम घोषित, वाल्वरडे, नुनेज़ और अराउजो शामिल

नई दिल्ली

उरुग्वे के मुख्य कोच डिएगो फोर्लान ने सितंबर अंतरराष्ट्रीय विंडो के लिए 46 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम घोषित की है। इसमें भारत के खिलाफ 6 अक्टूबर को कोलकाता में होने वाले मैत्री मैच के लिए स्टार खिलाड़ी फेडेरिको वाल्वरडे, डार्विन नुनेज़ और रोनाल्ड अराउजो को भी शामिल किया गया है। उरुग्वे के लिए 2002 से 2014 के बीच 112 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके फोर्लान ने 36 गोल किए थे। 2026 फीफा विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद मार्सेलो बिएल्सा के पद से हटने के बाद फोर्लान ने उरुग्वे के मुख्य कोच का पद संभाला है। सितंबर की अंतरराष्ट्रीय विंडो में उरुग्वे को जापान, दक्षिण कोरिया और भारत के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं। टीम इन तीनों देशों का दौरा करेगी। भारत के खिलाफ मुकाबला फोर्लान के लिए भी खास होगा, क्योंकि वह करीब एक दशक बाद भारत लौटेंगे। उन्होंने 2016 में इंडियन सुपर लीग में मुंबई सिटी एफसी के लिए कुछ समय खेला था।

उरुग्वे का कार्यक्रमः

24 सितंबर: जापान बनाम उरुग्वे — रिफू

28 सितंबर: दक्षिण कोरिया बनाम उरुग्वे — सियोल

6 अक्टूबर: भारत बनाम उरुग्वे — कोलकाता

प्रारंभिक टीम में विश्व कप में खेलने वाली 26 सदस्यीय टीम के 21 खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें वाल्वरडे, नुनेज़ और अराउजो जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। नाहितान नांदेज और आर्सेनल के पूर्व मिडफील्डर लुकास टोरेइरा की टीम में वापसी हुई है। वहीं, नागरिकता प्राप्त डिफेंडर अलेक्जेंडर बारबोसा को भी टीम में जगह मिली है।

उरुग्वे की प्रारंभिक टीम

गोलकीपर: सैंटियागो मेले, क्रिस्टोफर फिएरमारिन, इग्नासियो दे अर्रुआबार्रेना, सेबास्तियन जौमे, थियागो कार्डोजो।

डिफेंडर: केविन अमारो, जोसे लुइस रोड्रिगेज, गुइलेर्मो वरेला, नाहितान नांदेज, सैंटियागो मौरिनो, निकोलस मारिचाल, रोनाल्ड अराउजो, अलेक्जेंडर बारबोसा, जोसे मारिया जिमेनेज, जुआन रोड्रिगेज, सेबास्तियन बोसेली, सैंटियागो ब्यूनो, सेबास्तियन कासेरेस, माथियास ओलिवेरा, जोआक्विन पिकेरेज, लुकास ओलाजा, मार्सेलो सारासी, जुआन मैनुअल सैनाब्रिया।

मिडफील्डर: एमिलियानो मार्टिनेज, लुकास टोरेइरा, रोड्रिगो बेंटानकुर, फाकुंडो बरनाल, सैंटियागो होमेनचेंको, फेडेरिको वाल्वरडे, अगुस्तिन कानोबियो, मातियास अबाल्डो, फाकुंडो पेलिस्त्री, लुसियानो रोड्रिगेज, मैक्सिमिलियानो अराउजो, लुकास विलाल्बा, ब्रायन रोड्रिगेज, रोड्रिगो सालाजार, डिएगो रासी, जार्जियन दे अरास्काएटा।

फारवर्ड: मार्टिन सात्रियानो, अगुस्तिन ए. मार्टिनेज, रोड्रिगो अगुइरे, फेडेरिको विन्यास, मिगेल मेरेंटिएल, डार्विन नुनेज़, अल्वारो रोड्रिगेज।

चाइना मास्टर्सः एन से यंग ने यामागुची को हराकर महिला एकल के फाइनल में बनाई जगह

शेनझेन। विश्व नंबर एक दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी एन से यंग ने जापान की अकाने यामागुची को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली है। शेनझेन एरिना में खेले गए सेमीफाइनल में एन से यंग ने यामागुची को 21-13, 21-15 से हराया। यह भारत में पिछले महीने आयोजित विश्व चैंपियनशिप के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच एक बार फिर मुकाबला था। विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में भी एन से यंग ने यामागुची को हराकर खिताब जीता था। चाइना मास्टर्स में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने वही परिणाम दोहराया। यामागुची ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में एक समय 5-4 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद एन से यंग ने जोरदार वापसी की और जापानी खिलाड़ी को लय में आने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीतने के बाद दूसरे गेम में भी दबदबा कायम रखा और 21-15 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में लगातार दो बार चाइना मास्टर्स का खिताब जीता है। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार खिताब जीतने पर है।

रांची के मोरहाबादी मैदान में 13 से 20 सितंबर तक होगी चैलेंजर ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता

रांची

राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले 31 वर्षों से लगातार आयोजित हो रही चैलेंजर ट्राफी फुटबाल प्रतियोगिता इस वर्ष 13 से 20 सितंबर तक होगी। प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा केन्द्र की ओर से किया जाएगा। प्रतियोगिता के संयोजक डा. प्रणव कुमार बब्बू ने बताया कि चैलेंजर ट्राफी की पहचान रांची के साथ आसपास के जिलों में भी प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता के रूप में बनी हुई है।

31 वर्षों से लगातार हो रहा आयोजन, विजेता को 71 हजार और उपविजेता को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि

फुटबाल प्रेमियों, खिलाड़ियों और क्लबों को हर वर्ष इस प्रतियोगिता का इंतजार रहता है। उन्होंने बताया कि सामाजिक-बैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जन मंच और लक्ष्य डिफेंस अकादमी के सदस्य भी आयोजन में सक्रिय सहयोग करेंगे।

डा. बब्बू ने कहा कि झारखंड में खेल और खिलाड़ियों के लिए फुटबाल संजीवनी के समान है। यह युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ मनोरंजन का भी सशक्त माध्यम है।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष प्रतियोगिता की विजेता टीम को 71 हजार रुपये और उपविजेता टीम को 51 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसके अलावा मैन आफ द मैच, मैन आफ द सीरीज, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर सहित विभिन्न श्रेणियों में भी पुरस्कार दिए जाएंगे।

प्रतियोगिता को लेकर रांची और आसपास के क्षेत्रों के फुटबाल खिलाड़ियों, क्लबों और खेलप्रेमियों में उत्साह है। आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

लंदन स्क्वैश क्लासिकः अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल में सिवासंगरी से हारीं

लंदन। भारतीय युवा स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह को पीएसए गोल्ड स्तर के लंदन स्क्वैश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की विश्व नंबर पांच खिलाड़ी सिवासंगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ सीधे गेमों में हार का सामना करना पड़ा। तीसरी वरीयता प्राप्त सिवासंगरी ने 17 मिनट में अनाहत को 11-4, 11-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 27 वर्षीय सिवासंगरी ने शुरुआत से ही मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी को अपनी लय हासिल करने का मौका नहीं दिया और आसान जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त मिस्र की मौजूदा विश्व चैंपियन अमीना ओर्फी से होगा। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज 18 वर्षीय अनाहत ने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए बेल्जियम की आठवीं वरीयता प्राप्त नेले गिलिस को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराया था।

प्रतिस्पर्धा आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है: आर्यना सबालेंका

नई दिल्ली

दो बार की चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की शानदार शुरुआत की है। विश्व नंबर एक सबालेंका ने तीसरे दौर में कामिला राखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली है।

न्यूयार्क में अपने अभियान के दौरान सबालेंका ने टेनिस की प्रतिस्पर्धात्मक प्रकृति और मजबूत प्रतिद्वंद्वियों से मिलने वाली चुनौती पर बात की।

जियोस्टार को दिए गए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि कड़ी प्रतिस्पर्धा उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।

सबालेंका ने कहा, प्रतिस्पर्धा हमेशा आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है। मुझे टेनिस की यही बात पसंद है कि कोई आपका पीछा कर रहा हो या आप किसी का पीछा कर रहे हों। यह आपको भूखा रखती है और अपना स्तर बढ़ाने के लिए मजबूर करती है। यह दबाव आपको मजबूत बनाता है और और भी कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। यह लगातार बनी रहने वाली चुनौती है और यही मेरे लिए खेल को इतना रोमांचक बनाती है।

विश्व नंबर एक ने पेशेवर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर खेल की तीव्रता और आक्रामकता के बीच पूरी तरह केंद्रित रहना पड़ता है, इसलिए कोर्ट के बाहर आराम करना और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेना जरूरी है।

उन्होंने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कोर्ट के अंदर और बाहर की जिंदगी के बीच संतुलन होना जरूरी है। कोर्ट पर खेल बेहद तीव्र और आक्रामक होता है। आपको हर समय मजबूत और केंद्रित रहना पड़ता है। वहां खुद को ढीला छोड़ने की कोई जगह नहीं होती, लेकिन कोर्ट के बाहर स्थिति अलग होती है। वहां आप आराम करते हैं, मौज-मस्ती करते हैं और अपनी पसंद की चीजों का आनंद लेते हैं। यही संतुलन मुझे फिर से ऊर्जा हासिल करने और अगले मैच के लिए तरोताजा रहने में मदद करता है।

अंतिम-16 में सबालेंका का सामना टेलर टाउनसेंड से होगा। यह मुकाबला जियोहाटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित किया जाएगा।

सबालेंका ने यूएस ओपन में न्यूयार्क के माहौल को भी खास बताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों का उत्साह उन्हें अतिरिक्त ऊर्जा देता है और शहर की ऊर्जा भी कोर्ट पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।

उन्होंने कहा, यहां मुझे बहुत कुछ पसंद है। सबसे पहले तो यहां के दर्शक शानदार हैं। जब वे आपका उत्साह बढ़ाते हैं तो आपको बहुत ऊर्जा मिलती है। मुझे न्यूयार्क में रहना पसंद है। जब मौका मिलता है तो खरीदारी करना और अच्छे रेस्तरां में खाना भी पसंद है। इस शहर में दो या तीन सप्ताह बिताना हमेशा खास होता है। मुझे लगता है कि शहर की ऊर्जा आपको कोर्ट पर और कड़ी मेहनत करने और प्रेरित बने रहने के लिए प्रेरित करती है।

एएचएफ जूनियर एशिया कपः भारत ने इंडोनेशिया को 14-0 से रौंदकर किया शानदार आगाज

मोक्वी, चीन

भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में अपने खिताब बचाने के अभियान की धमाकेदार शुरुआत की है। पूल ए के शुरुआती मुकाबले में भारत ने इंडोनेशिया को एकतरफा मुकाबले में 14-0 से रौंद दिया। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में अपना दबदबा कायम रखा।

भारत की ओर से प्रभदीप सिंह सबसे सफल रहे। उन्होंने पांच गोल दागे और उन्हें मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। कप्तान अनमोल एक्का ने चार गोल किए, जबकि अजीत यादव ने हैट्रिक पूरी की। हरपाल और आशु मौर्य ने एक-एक गोल किया।

भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। प्रभदीप ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत का खाता खोला, जबकि हरपाल ने आठवें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे था।

दूसरे क्वार्टर में अनमोल ने 16वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर स्कोर 3-0 किया। अजीत यादव ने 20वें मिनट में एक और गोल दागा। इसके बाद प्रभदीप ने 26वें और 30वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को मध्यांतर तक 6-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। अनमोल ने 35वें और 42वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला। इसके बाद प्रभदीप ने क्वार्टर समाप्त होने से पहले एक और गोल दागकर भारत की बढ़त 9-0 कर दी। अंतिम क्वार्टर में भारतीय टीम ने पांच और गोल किए। अनमोल ने 51वें मिनट में अपना चौथा गोल किया, जबकि प्रभदीप ने अगले ही मिनट में पांचवां गोल दाग दिया। अजीत यादव ने 53वें मिनट में दो गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। आशु मौर्य ने 59वें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर गोल कर भारत को 14-0 की शानदार जीत दिलाई। भारत ने कुल नौ मैदानी गोल किए, जबकि चार गोल पेनल्टी कार्नर और एक गोल पेनल्टी स्ट्रोक से आया। अनमोल ने तीन पेनल्टी कार्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि मौर्य ने एक पेनल्टी कार्नर पर गोल किया। इंडोनेशिया की यह लगातार दूसरी हार है। उसे दक्षिण कोरिया के खिलाफ 0-9 से शिकस्त मिली थी। पूल ए में वह पांचवें स्थान पर है। वहीं, चीनी ताइपे जापान के खिलाफ 0-7 से हारकर चौथे स्थान पर है। भारत इस जीत से तीन अंक लेकर जापान और दक्षिण कोरिया के साथ बराबरी पर है, लेकिन बेहतर गोल अंतर के कारण पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गया है।

सलाह

अच्छी बॉडी के लिए जरूरी है स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक भारी एक्सरसाइज है। जिसकी शुरुआत करने से पहले वेट लिफ्टिंग के कुछ नियम जान लेना बहुत जरूरी होता है, जिससे इसका कोई दुष्परिणाम न हो। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज के पहले पूरी तैयारी जरूरी है, कम से कम शुरुआती दौर में हफ्ते में एक से तीन दिन मांसपेशियों की एक्सरसाइज जरूर करें। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में सबसे आसान विकल्प वेट मशीन से एक्सरसाइज और डंबल करना होता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की मदद से पेट सहित पूरे शरीर के फैट को कम कर मसल्स को मजबूत बनाया जा सकता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग न केवल वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि इसका इस्तेमाल वजन बढ़ाने के लिए भी कर सकते हैं। हालांकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान बढ़ने वाला वजन आपके लिए फायदेमंद है, नुकसानदेह नहीं। लंबे समय तक फिट रहने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग बहुत जरूरी है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग से कैसे बढ़ता है वजन

मांसपेशियों के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने के दौरान मसल्स फाइबर में छोटे टीयर्स बनते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान मांसपेशियों में अतिरिक्त कोशिकायें जुड़ती हैं जो भविष्य में फायदेमंद साबित होती हैं। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान समुचित आराम और पोषण आपकी मांसपेशियों के निर्माण में मदद करती है जिससे इसकी क्षमता में बढ़ावा होता है। मांसपेशियों का वजन लोगों में यह भ्रम होता है कि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान मांसपेशियों का वजन बढ़ना शरीर में अतिरिक्त चर्बी के बढ़ने के बराबर होता है। जबकि यह सच नही है, इसके विपरीत यदि मांसपेशियों का एक पाउंड वसा के एक पाउंड से कम जगह लेता है। इस दौरान आपके शरीर का आकार और वजन दोनों बढ़ेगा।

कैसे करें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

शुरूआत में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग ट्रेनर की देखरेख में ही करना चाहिए। क्योंकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने में जहां फायदा है वही खतरा भी है। क्यों कि इससे आपकी मसल्स खिंच सकती हैं और चोट भी लग सकती है। अगर चोट से बचना है तो आप पहले ठीक तरह से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करना सीखे। इसमें सभी मसल्स ग्रुप की अपनी अहमियत है, उन लोगों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद है, जिनके घुटनों में अर्थराइटिस है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग में क्या-क्या होता है

इसके लिए सबसे ज्यादा आसान विकल्प वेट मशीन से एक्सरसाइज और डंबल उठाने होते हैं। मशीन से आपको सही मूवमेंट सीखने को मिलती है। आपको सही मूवमेंट सीखने को मिलती है। मशीन को आप अपने कद के हिसाब से ही एडजस्ट करें। अगर मशीन को ठीक से एडजस्ट न किया गया हो। तो आप गलत मूवमेंट में कसरत करेंगे, इससे चोट लगने की संभावनाएं बढ़ेंगी। अगर आप बहुत ज्यादा वजन उठाते हैं तो आपकी कमर पर बुरा असर पड़ सकता है। शरीर के सभी हिस्से के लिए अलग-अलग स्ट्रेंथ ट्रेनिंग होती है। चेस्ट के लिए बेंच प्रेस, चेस्ट प्रेस मशीन, पुश अप्स, पेक डेक मशीन आदि। बैक के लिए सीटेड रो मशीन, बैक एक्सटेंनशन, पुलडाउन। बाइसेप्स के लिए बाइसेप्स कर्ल, हैमर्ल, कनसेन्ट्रेशन कर्ल। ट्राइसेप्स के लिए ट्राइसेप्स एक्सटेंशन, डिप्स, किकबैक्स। पेट के लिए क्रंच, रीवर्स क्रंच, ऑब्लिक ट्विस्ट, पेल्विक टिल्ट आदि होते हैं।

बढ़ते बच्चे के लिए जरूरी पोषक तत्व

बच्चों को बड़ों के मुकाबले खाने में पोषक तत्वों की जरूरत ज्यादा होती है। यह उनके बढ़ने की उम्र होती हैं, इस समय उनका शारीरिक विकास हो रहा होता है। बच्चे सारा दिन वे उछलकूद मचाते रहते हैं। इसलिए उनके उचित विकास के लिए पर्याप्त पोषक तत्वों की दरकार होती है। पोषक तत्व बच्चों को कुछ बीमारियों, जैसे- मोटापा और हड्डियों को कमजोर होने से बचाने में सहायता करते हैं। इससे बच्चा पूरी क्षमता के साथ विकास करता है। एक बढ़ते हुए बच्चे को ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर के साथ-साथ बीच में स्नैक्स की जरूरत होती है।

आवश्यक पोषक तत्व

» **प्रोटीन**- प्रोटीन शरीर के उत्तकों को बनाने, रख-रखाव और मरम्मत करने में सहायता करता है। प्रोटीन की ज्यादा मात्रा दूध और डेयरी प्रोडक्ट, दालें, अंडे, मछली और मांस में होती है। प्रोटीन से भरपूर खाद्य पदार्थों की आवश्यकता विशेषकर तेजी से बढ़ रहे बच्चों को होती है। रोजना अपने बच्चे को प्रोटीन से भरपूर पदार्थ खिलाएं।

» **विटामिन और खनिज**- विटामिन और खनिज शरीर को स्वस्थ बनाता है, साथ ही शरीर के विकास में सहायता करता हैं। बच्चों के लिए आयरन और कैल्शियम बहुत आवश्यक हैं। बढ़ रहे बच्चे को अपनी हड्डियां और दांत मजबूत करने के लिए कैल्शियम की जरुरत होती है। दूध, दूध से बने पदार्थ और हरी पत्तेदार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्त्रोत है। किशोर अवस्था में बच्चों की कैल्शियम की आवश्यकता की पूर्ति केवल खाने से ही पूरी नहीं होती, बल्कि कुछ अतिरिक्त कैल्शियम सप्लिमेंट की जरुरत भी होती है।

» **कार्बोहाइड्रेट और वसा**- बच्चों में शारीरिक विकास के लिए जिस ऊर्जा और कैलोरी की जरुरत होती है उसकी पूर्ति कार्बोहाइड्रेट से होती है। स्कूल जाने की उम्र में बच्चे तेजी से विकास करते हैं, जिससे उनको भूख ज्यादा लगती है।

» **आयरन**- आयरन खून बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज है। आयरन खून बनाने के अलावा ध्यान और एकाग्रता को सुधारने में सहायता करता है। मांस, अंडा, मछली, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन के अच्छे स्त्रोत हैं। जब विटामिन सी से भरपूर भोजन हम करते हैं तो उस शाकाहारी खाने में आयरन की मात्रा ज्यादा होती है।

» **फल और सब्जियां**- फल और सब्जियों में विटामिन और खनिज की मात्रा ज्यादा होती है। विटामिन और खनिज स्वस्थ त्वचा, अच्छी ग्रोथ, विकास और संक्रमण से लड़ने के लिए आवश्यक हैं। सब्जियों में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिसमें विटामिन ए और सी और सूक्ष्म पोषक जैसे मैग्नीशियम और पोटेशियम पाया जाता है। सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट जो बच्चों के शरीर को बीमारियों से लड़ने की शक्ति देता है। साथ ही बड़ी उम्र में कैंसर और दिल की बीमारियों के खतरे को कम करता है। साबुत अनाज, मांस और डेयरी प्रोडेक्टस में विटामिन डी की प्रचुरता होती है। फलों में भी फाइबर की मात्रा, विटामिन ए और सी और पौटेशियम होता है। सब्जियों की तरह फलों में भी एंटीऑक्सीडेंट होता है।

» **अनाज**- आप जितना अनाज खाते हैं, उसमें कम से कम आधा अनाज दलिया, आटा, मक्का, ब्राउन चावल और गेहूं की रोटियां होनी चाहिए। बेहतर होगा कि केवल एरोबिक्स करने के बजाय इसको अलग-अलग एक्सरसाइज के कांबिनेशन में करें। बहुत हेवी और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग एक्सरसाइज वजन घटाने का सही तरीका नहीं हैं। इनकी मदद से आप मसल्स बना सकते हैं, शरीर को मजबूत कर सकते हैं लेकिन ज्यादा वजन नहीं घटा सकते। बेहतर तरीका है कि आप कार्डियो एक्सरसाइज के साथ इनका कांबिनेशन बनाएं।

उपरोक्त टिप्स अपनाकर आप भी अपने शरीर से फैट को कम कर सकते हैं, साथ ही आप फिट रहेंगे।

सुझाव

फैट बर्निंग टिप्स बढ़ाएं आपकी फिटनेस

शरीर पर जमा अतिरिक्त चर्बी न सिर्फ आपकी सुंदरता को कम करती है बल्कि सेहत पर भी बुरा असर डालती है। मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। क्या आप भी मोटापे के कारण बीमारियों के खतरों से घिरे रहना चाहते हैं या फिर कुछ फैट बर्निंग टिप्स की मदद से अपनी चर्बी कम करके फिट शरीर पाना चाहेंगे। कुछ लोगों की पहली पसंद फिट रहना होती है। वहीं कुछ लोग एक्सारसाइज करने या शरीर की चर्बी कम करने को प्राथमिकता नहीं देते। जो लोग नियमित व्यायाम करते हैं उनके शरीर पर चर्बी कम रहती है और उनका वजन भी संतुलित रहता है। ऐसे लोग बीमारियों से दूर रहने के साथ ही स्वथ्य और तंदुरुस्त भी रहते हैं। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं किस तरह आप भी आसान फैट बर्निंग टिप्स की मदद से स्लिम और आकर्षक लग सकते हैं। हजार पुशअप्स या क्रंचेज मार लेने या कड़ी मेहनत वाली एक्सरसाइज करने से ही आपकी चर्बी कम नहीं होती। चर्बी कम करने और शरीर को मजबूत बनाने के लिए आपको भोजन व एक्सरसाइज का चुनाव सोचसमझकर करना चाहिए। ऐसी एक्सरसाइज करें, जिससे शरीर के सभी हिस्सों की मांसपेशियों में गतिविधि हो। पेट की चर्बी कम करने के लिए कार्डियोवस्कुलर एक्सरसाइज फायदेमंद रहती हैं।

खाने का रखें खास खयाल

खाने में गेहूं की बजाय जौ और चने के आटे की रोटी का सेवन करें। जौ और चने के सेवन से आप अतिरिक्त कॉर्बोहाइड्रेट लेने से बचेंगे। इससे आपके शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा नहीं होगी। नारियल पानी का सेवन करें, यह शरीर को स्फूर्ति देता है और इसमें कैलोरी कम होती है। शक्कर कम मात्रा में लें, ग्लूकोज और कार्बोहाइड्रेट की जगह प्रोटीन ज्यादा से ज्यादा से मात्रा में लें। विटामिन सी युक्त आहार लें, इससे शरीर में कोर्टिसोल नियंत्रित रहेगा। विटामिन सी वाले पदार्थों में कार्निटाइन नामक तत्व होता है जो शरीर की अतिरिक्त फैट को बर्न करता है। संतरे, शिमला मिर्च, टमाटर और नींबू आदि साइट्रस फलों में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है। अपने खाने में हरी सब्जियों, मेवे और लीन मीट को शामिल कीजिये।

फायदेमंद एक्सरसाइज

कार्डियो वर्कआउट्स फैट घटाने के लिए बेहतर विकल्प हैं। 500 क्रंच करने की बजाय ऐसे व्यायाम करें जिनसे ज्यादा मात्रा में फैट बर्न होता है। विंडमिल, टर्किश सिटअप्स और रस्सी कूदना आदि करें। एरोबिक एक्सरसाइज भी खुद को फिट रखने का बेहतर विकल्प है। हालांकि एरोबिक्स से वजन पर काबू पाना थोड़ा मुश्किल है। इससे शरीर लचीला और मजबूत बनता है। जिम जाने के साथ ही दिनभर में ऐसे काम भी कीजिये जिससे आप एक्टिव रहें। आप चाहे तो शाम के समय पार्क में जाकर दोस्तों या छोटे बच्चों के साथ खेल सकते हैं।

नेचुरल माउथ फ्रेशनर से इस तरह रखें बच्चों का ख्याल

जिस तरह बड़ो को मुंह की दुर्गंध को दूर करने के लिए माउथ फ्रेशनर की जरुरत पड़ती है, उसी तरह बच्चों को भी इसकी जरुरत होती है। पर आप उन्हें ऐसा माउथ फ्रेशनर देना चाहते है जो उनके लिए पूरी तरह सुरक्षित हो। बाजार से मिलने माउथ फ्रेशनर में इस तरह के तत्व होते है जो बच्चों की सेहत पर बुरा असर डालते है। इसके कारण बच्चों को मुंह से संबंधित कई तरह की प्रॉब्लम आ जाती है। ऐसे में आप घर पर बने माफथ फ्रेशनर का इस्तेमाल कर सकते है। इसका स्वाद कड़वा न होने के कारण बच्चे इसे अराम से यूस कर लेंगे।

1. अनार का छिलका

अनार का छिलका एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल के गुणों से भरपूर होता है। इस माउथ फ्रेशनर को बनाने के लिए अनार के छिलके निकाल कर धूप में अच्छी तरह सूखा लें। सूखने के बाद इसका पाउडर बना कर पानी में दो चम्मच उबाल लें। उबालने के बाद इसे ठंडा होने पर इसे छान कर दें। इसका स्वाद मिठा होने के कारण बच्चें इसका इस्तेमाल अराम से कर लेंगे।

2. अदरक

बच्चों की मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए ये एक बेहतरीन माउथ फ्रेशनर है। अदरक को कद्दूकस करके इसमें नमक और काली मिर्च को मिलाएं। इस मिश्रण को कम से कम तीन-चार दिनों तक सूखाएं। सूखने के बाद इसके डिब्बे में रख लें। इस माफथ फ्रेशनर से मुंह के दुर्गंध के अलावा मुंह के किटाणु भी दूर हो जाते है।

3. पुदीना

पुदीने से तो कई तरह की बीमारियां दूर हो जाती है लेकिन ये एक बहुत ही अच्छा माफथ फ्रेशनर भी है। पुदीने के पत्तों को धूप में अच्छी तरह सूखा कर पीस लें। खाना खाने के बाद बच्चों को कुल्ली करवाएं। अगर बच्चे इसे करने से मना करते है तो आप उन्हें ये ऐसे भी दें सकते है।

4. सौंफ

अगर बच्चें इन माफथ फ्रेशनर का इस्तेमाल नहीं करना चाहते तो आप उन्हें सौंफ से बना माउथ फ्रेशनर भी करवा सकते है। इसके लिए सौंफ में हरा धनियां, आधा कप तिल और आधा कप इलायची कर अच्छी तरह भूनने के बाद पीस लें। इसमें थोड़ी सी शक्कर डाल दें इससे बच्चों को ये टेस्टी लगेगा।

शाकाहारियों के लिए डायट प्लान

शाकाहारियों के लिए डायट प्लान में सभी पोषक तत्व संतुलित मात्रा में होने चाहिये। इसे बनाते समय लिंग आयु और वजन के हिसाब से बनाना चाहिए। शाकाहारियों को हरी पत्तेदार सब्जियां और फलों का सेवन अधिक करें। प्रोटीन की जरूरतों को पूरा करने के लिए सोयाबीन, टोफू, सोया मिल्क और टोंड अथवा डबल टोंड दूध लें। स्प्राउट्स, दालों आदि का सेवन करें। चपाती बनाने के लिए गेहूं के आटे में चना और सोया का आटा मिला लें।

रेसिपी

साबूदाने का चीला

सामग्री

1 कप साबूदाना, 2 बड़े आलू (उबले हुए), 2-3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 2 टे.स्पून बारीक कटा हरा धनिया, 1 टी स्पून जीरा, आधा कप मूंगफली भुनी हुई, 4-5 टी स्पून देसी घी, नमक स्वादानुसार।

विधि

साबूदाने को धोकर उस पर थोड़ा सा पानी छिड़क कर का 1 घंटे के लिए ढककर रख दें। भुनी हुई मूंगफली को कूट लें। साबूदाने को एक बाउल में डालकर उसमें उबले हुए आलू, हरी मिर्च, हरा धनिया, जीरा, नमक और कुटी हुई मूंगफली मिला दें। तवा गरम कर उसपर मिश्रण फैला दें। ऊपर से घी भी डाल दें, पलटकर दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन सेंक लें। हरी चटनी के साथ सर्व करें।

दही आलू टमाटर सब्जी

सामग्री

आलू- एक किलो, टमाटर- 100 ग्राम, हरी मिर्च- पांच, अदरक- डेढ़ इंच, हरी धनिया- डेढ़ बड़े चम्मच, दही- 100 ग्राम, क्रीम- 100 ग्राम, सिंघाड़े का आटा- दो बड़े चम्मच, सेंधा नमक- स्वादानुसार, जीरा- एक बड़ा चम्मच, गरम मसाला- डेढ़ बड़े चम्मच, लाल मिच- पांच साबुत, मक्खन- 200 ग्राम

विधि

आलू उबालकर फिर छीलकर इनके डेढ़ इंच चौकोर टुकड़े कर लें। टमाटर महीन काट लें। हरी मिर्च व अदरक काट लें। दही में एक चौथाई टी-कप पानी व सिंघाड़े का आटा मिलाकर फेंट लें। क्रीम छान लें। मक्खन गर्मकर साबुत लाल मिर्च, जीरा व हरी मिर्च का छौंक देकर आलू मिला दें। इसमें गरम मसाला, सेंधा नमक, टमाटर, दही, क्रीम व डेढ़ टी-कप पानी देकर उबाल आने तक करीब पांच मिनट पका लें। हरी धनिया व अदरक देकर उतार लें। स्वादिष्ट व पौष्टिक सब्जी सिंघाड़े के आटे से बनी पूड़ियों के साथ गरमागरम परोसें।

बच्चों को सुसाइड के लिए उकसाता है यह गेम

पेरेंट्स ना बरतें लापरवाही

बच्चों से लेकर बड़ों तक ऐसा कोई नहीं जिसे गेम खेलना पसंद न हो। फ्री टाइम में चाहे घर पर हो या बाहर गेम खेलना बेस्ट टाइम पास माना जाता है। लेकिन देखा गया है कि बच्चे इन गेम्ज के ज्यादा आदी होते हैं। इसलिए माता-पिता को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि उनके बच्चे किसी ऐसे रास्ते पर न चले जाएं, जो उनके लिए जानलेवा हो सकता है। वर्किंग पेरेंट्स के लिए यह बात ज्यादा अहम हो जाती है, क्योंकि सारा दिन वह अपने बच्चे के साथ नहीं होते। ऐसे में उनका बच्चा क्या कर रहा है, इस बात की खबर उन्हें होनी चाहिए।

भारत में पहुंची दहशत

कुछ समय पहले पोकेमोन नाम की एक गेम काफी फेमस हुई थी, जिसने बड़ों से लेकर बच्चों तक पर अपना गहरा असर दिखाया था। सोते, उठते, जागते अधिकतर लोग इसी गेम को खेलने के आदी हो चुके थे। लेकिन अब एक ऐसी गेम चर्चा में है, जो बच्चों को सुसाइड के लिए उकसाती है। ब्लू व्हेल नाम की यह गेम अब तक दुनियाभर में करीब 250 से ज्यादा बच्चों की जान ले चुकी है। इसे 25 साल के फिलिप बुडेकिन ने साल 2013 में बनाया था। अब इस गेम की दहशत भारत में भी पहुंच चुकी है।

गेम से बाहर निकलना मुश्किल

यह गेम क्लोज्ड ग्रुप में खेला जाता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, व्हाट्सएप जैसे साइट्स पर इंविटेशन के जरिए बच्चे इस गेम में शामिल होते हैं। इसमें 50 स्टेज को 50 दिनों में पूरा करना होता है। हर स्टेज पर यूजर को खुद को तकलीफ देते हुए एक तस्वीर ग्रुप पर भेजनी पड़ती है। गेम की सबसे खतरनाक बात यह है कि जब भी बच्चे इस गेम से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं तो गेम चलाने वाले आपके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देते हैं। पुलिस की मानें तो माता-पिता को अपने बच्चों की तरफ खास ध्यान देना होगा, ताकि उन्हें इस खतरनाक गेम से बचाया जा सके।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**